CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-333
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

इंदौर, बुधवार 06 मार्च 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

आज का विचार

अन्न के कण और आनंद के क्षण, कभी व्यर्थ न जाने दें, दोनो अमूल्य हैं !

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सिंगल कॉलम

शादियों के सीजन के बीच सोने के दाम अब तक के ऑल टाइम हाई पर

इंदौर/नई दिल्ली। शादियों के सीजन के बीच सोना-चांदी खरीदने वालों के लिए बुरी खबर है। मंगलवार को सराफा बाजारों में सोना इतिहास रचते हुए नया ऑल टाइम हाई 64404 रुपये प्रति ग्राम के रेट से खुला। चांदी की कीमतों में भी 1261 रुपये प्रति किलोग्राम की उछाल रहा और यह 72038 पर खुली। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 64,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 900 रुपये के उछाल के साथ 74,900 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। बीते कारोबारी सत्र में यह 74,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। एलकेपी सिक्योरिटीज के एक्सपर्ट जतीन त्रिवेदी ने कहा केअमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा जून में ब्याज दरों में कटौती की अटकलें बढ़ने से सोने की कीमतों में तेजी देखी गई। इस प्रकार पिछले तीन दिन में एमसीएक्स में 2,400 रुपये से अधिक की बढ़त देखी गई।

रांची कोर्ट ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को माना दोषी

रांची। जेल में बंद झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मुसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब रांची की एक अदालत ने पीएमएलए मामले में ईडी के नोटिस की अवहेलना करने का प्रथम दृष्टया दोषी माना है। साथ ही रांची कोर्ट ने हेमंत सोरेन को समन भेज कर अगले महीने तलब किया है। जांच एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 50 के तहत हेमंत सोरेन को सात बार समन जारी किए गए थे। उन्हें सबसे पहले बीते साल 14 अगस्त को ईडी के सामने पेश होने के लिए पहली बार समन जारी किया गया था। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कृष्ण कांत मिश्रा की अदालत ने अपने आदेश में कहा कि शिकायतकर्ता ईडी के तथ्य और रिकॉर्ड पर रखी गई सामग्री से प्रथम दृष्टया भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 174 के तहत अपराध बनता है। ऐसे में आपराधिक प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 204 के तहत आरोपी हेमंत सोरेन के खिलाफ कार्यवाही के लिए पर्याप्त आधार हैं।

शाहजहां की कस्टडी लेने पहुंची सीबीआई खाली हाथ लौटी

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी मंगलवार को शाहजहां शेख की कस्टडी सीबीआई को नहीं मिली। केंद्रीय जांच एजेंसी बंगाल पुलिस के हेडक्वार्टर से 2 घंटे के इंतजार के बाद खाली हाथ लौट गई। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को शाम 4.30 बजे तक शेख को सीबीआई को हैंडओवर करने के आदेश दिए थे। इसके अलावा, शेख का केस उइक को ट्रांसफर करने को भी कहा था। साथ ही इस केस से जुड़े सभी कागजात देने का भी आदेश दिया था। इसके बाद शाम 4.40 बजे सीबीआई की टीम उसे लेने के लिए भवानी भवन पुलिस हेडक्वार्टर पहुंची थी।इस बीच राज्य सरकार ने इस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया। ईडी याचिका पर कलकत्ता हाईकोर्ट में चीफ जस्टिस टीएस शिवगणनम की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा, पश्चिम बंगाल पुलिस का रवैया पूरी तरह से पक्षपातपूर्ण है। इसे देखते हुए निष्पक्ष और ईमानदार जांच की जरूरत है। हमें यह मानने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि राज्य की एजेंसियों से निष्पक्ष जांच की उम्मीद नहीं है।

प्रधानमंत्री मोदी ने किया देश की पहली अंडरवाटर मेट्रो का उद्घाटन, स्कूली बच्चों संग किया सफर

कोलकाता। पीएम नरेंद्र मोदी ने आज (6 मार्च) 15, 400 करोड़ रुपये की कई कनेक्टिविटी परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। वो मंगलवार (5 मार्च) कोलकाता पहुंचे। पांच दिनों के भीतर पश्चिम बंगाल में पीएम मोदी का यह दूसरा दौरा है। पीएम ने आज कोलकाता में देश की पहली अंडरवाटर मेट्रो का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने मेट्रो में बैठकर सफर किया। मेट्रो में उन्होंने कई छात्रों से बातचीत की। इसके अलावा पीएम मोदी ने ट्रेन में यात्रा करते हुए मेट्रो कर्मचारियों के साथ बातचीत भी की। ट्रेन में पीएम मोदी के साथ बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार और डब्ल्यूबी एलओपी और भाजपा विधायक सुवेंदु अधिकारी भी मौजूद थे। मेट्रो में सफर करने के बाद पीएम मोदी कोलकाता में एस्प्लेनेड मेट्रो स्टेशन पहुंचे। वहां पर बड़ी तादाद में लोगों ने उनका स्वागत किया। यहां पर लोगों ने मोदी-मोदी के नारे भी लगाए। पीएम मोदी कोलकाता पहुंचने के बाद सीधे दक्षिण कोलकाता के स्थित शिशु मंगल अस्पताल पहुंचे जहां पिछले कई दिनों से रामकृष्ण मिशन एवं मठ के अध्यक्ष स्वामी स्मरणानंद जी महाराज भर्ती हैं।

पश्चिम बंगाल में पीएम मोदी की नारी शक्ति वंदन रैली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नॉर्थ 24 परगना जिले के बारासात पहुंच चुके हैं। थोड़ी देर में वे जनसभा को संबोधित करेंगे। इस रैली में संदेशखाली की महिलाएं भी शामिल होने पहुंची हैं। संदेशखाली की महिलाओं ने TMC नेता शाहजहां शेख पर रेप और जमीन हड़पने का आरोप लगाया है। इस पर यहां की राजनीति भी गरमाई हुई है। हाईकोर्ट की फटकार के बाद पुलिस ने शाहजहां शेख को 29 फरवरी को गिरफ्तार किया था। हालांकि शेख की गिरफ्तारी ED की टीम पर जानलेवा हमले को लेकर हुई थी। आरोप है कि ED की टीम राशन घोटाला मामले में छापेमारी के लिए 5 जनवरी को संदेशखाली गई थी। इस दौरान शेख के समर्थकों ने टीम पर जानलेवा हमला किया था यही माताएं, यही बहनें बेटियां कवच बनकर मोदी की रक्षा के लिए खड़ी हो जाती हैं। आज हर देशवासी खुद को मोदी का परिवार कह रहा है। आज देश का हर गरीब, हर किसान, हर नौजवान, हर बहन-बेटी कह रही है- मैं हूं मोदी का परिवार। इन घोर परिवारवादियों को यहां आकर देखना चाहिए कि मेरे देश की ये बहनें यहां बहुत बड़ी संख्या में देश के कोने-कोने से जुड़ी हैं, यही तो है मोदी का परिवार। बंगाल की हर माता-बहनें मेरा परिवार हैं। एनडीए की वापसी पक्की देखकर indi अलायंस के सारे नेता बौखला गए हैं। उन्होंने संतुलन खो दिया है। पूरी ताकत से मोदी को गाली देना शुरू कर दिया है। इंडी गठबंधन के भ्रष्टाचारी लोग आजतक मेरे परिवार के बारे में पूछ रहे हैं। ये कह रहे हैं कि मोदी का खुद का परिवार ही नही है इसलिए मैं परिवारवाद के खिलाफ बात करता हूं। ये लोग जानना चाहते हैं, कहां है मेरा परिवार।

बिहार में उलझा सीट बंटवारा, किसी के नाम की चर्चा तेज, तो किसी को टिकट कटने का डर

पटना। लोकसभा चुनाव की तिथि घोषित होने में चंद दिन ही बचे हैं, पर अब-तक बिहार के दोनों गठबंधनों में सीट बंटवारे और उम्मीदवारों के चयन का पेच सुलझ नहीं पाया है। राज्य में 40 सीटें हैं। इनमें 17-17 सीटें पिछले चुनाव में एनडीए के तहत भाजपा-जदयू तथा छह लोजपा को दी गयी थीं। इस बार एनडीए में पिछले साल से ज्यादा दल जुड़ गये हैं। ऐसे में इस बार सीट बंटवारे की क्या कसौटी होगी, इसपर अब भी मंथन जारी है। एनडीए में भाजपा प्रमुख दल है, जिसमें कई उम्रदराज दिग्गजों के टिकट कटने का भी खतरा है। वहीं, कौन नये चेहरे सामने आएंगे, इसपर निर्णय होना अभी बाकी है। उम्मीदवारों को लेकर भाजपा की आठ मार्च को दिल्ली में महत्वपूर्ण बैठक होनी है। माना जा रहा है कि इसके बाद ही इस पर कोई अंतिम निर्णय हो सकेगा। इधर, यही हाल इंडिया गठबंधन के घटकदलों का है। इस गठबंधन में राजद प्रमुख दल हैं। इसमें कांग्रेस और तीनों वामदल भी शामिल हैं। इनके बीच भी सीट बंटवारे पर अंतिम फैसला अभी तक नहीं हुआ है। सबके अलग-अलग दावे हैं, पर साझा कोई फैसला नहीं हो सका है। दरअसल, बिहार में एनडीए का स्वरूप हाल में ही बदला है। इसके पहले तक भाजपा के साथ लोजपा (आर), रालोजपा, रालोमो व हम थी। राज्य में बदले राजनीतिक स्वरूप में अब एनडीए में फिर से जदयू में आ गया है। ऐसे में उम्मीदवारों के चयन को लेकर पूर्व में भाजपा ने जो फॉर्मूला तय किया था, उस पर नये सिरे से शीर्ष नेताओं का मंथन चल रहा है। माना जा रहा है कि इस बार जदयू व भाजपा के बीच कुछ सीटों की अदला-बदली भी हो सकती है। जदयू का एनडीए का हिस्सा बनने के पहले जहां भाजपा दो दर्जन से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी में थी, उस पर विराम लग गया है। वहीं, मौजूदा सांसदों में से आधे से अधिक के टिकट काटे जाने की चर्चा है। मंगलवार को बिहार भाजपा प्रभारी विनोद तावड़े ने हरेक पर्यवेक्षक से एक-एक कर बात की। हरेक लोकसभा क्षेत्र के लिए मनोनीत पर्यवेक्षकों ने पांच-छह संभावित नाम सौंपे। इन्हीं नामों से पार्टी 3-3 उम्मीदवारों का चयन करेगी। इन नामों की सूची केंद्रीय चुनाव समिति को जाएगी। वहीं, बिहार के महागठबंधन में भी उम्मीदवारों पर फैसला नहीं हो सका है। टिकट दलों में लोस चुनाव में टिकट पाने को कई विधायक, पूर्व विधायक व पूर्व सांसद दौड़ में हैं। इस बार राजद युवा चेहरों को आगे करने को प्रयासरत है। शीर्ष नेता युवाओं की चुनाव में भागीदारी बढ़ाने का एलान कर चुके हैं। राजद करीब 20 व कांग्रेस 12 सीटों पर प्रत्याशी उतार सकता है। अन्य सीटें वामदलों के खाते में जा सकती हैं।

स्टालिन के बाद ए राजा का बयान

हम राम के शत्रु हैं...हमें रामायण में आस्था नहीं

नई दिल्ली। देश की सर्वोच्च अदालत ने डीएमके नेता और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके. स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन की सनातन विरोधी बयानों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। लेकिन हैरानी की बात है कि अगले ही दिन ए राजा का एक बयान सोशल मीडिया पर तैरने लगा जिसमें वो भगवान राम को अपना दुश्मन बता रहे हैं। डीएमके के बड़े नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री ए. राजा ने खुला ऐलान कर दिया कि वो (भगवान) राम के दुश्मन हैं। इस बयान पर सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का नारा देने वाली केंद्र में सत्ताधारी भाजपा आग बबूला हो गई है। बीजेपी ने दावा किया कि डीएमके सांसद ए राजा ने हेट स्पीच का नई परिभाषा गढ़ डाली है। पार्टी के कई नेताओं ने ए राजा के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि डीएमके को पाकिस्तान जिंदाबाद स्वीकार है, उसे भगवान राम से दुश्मनी है। यह भारत और भारतीयता के खिलाफ है। भाजपा नेता अमित मालवीय ने ए राजा के बयान पर कहा कि डीएमके सांसद ने भारत के बाल्कनाइजेशन की मांग की। ए राजा ने तमिल में दिए भाषण में भगवान राम के प्रति जहर उगला है। उन्होंने कहा, यदि आप कहते हैं कि यह भगवान है। यदि यह आपका जय श्री राम है, यदि यह आपका भारत माता की जय है, तो हम कभी ऐसा स्वीकार नहीं करेंगे। तमिलनाडु स्वीकार नहीं करेगा। जाओ और कहो, हम राम के शत्रु हैं। मुझे रामायण में आस्था नहीं है, और भगवान राम में भी नहीं। यदि आप कहते हैं कि रामायण मानवीय सद्भाव का नमूना है, जहां चार भाई के रूप में पैदा होते हैं, एक कुरवार भाई के रूप में होते हैं, एक शिकारी भाई के रूप में होते हैं, एक बंदर भाई के रूप में होते हैं, एक और बंदर छठा भाई है, तो आपका जय श्री राम ... है!

गुस्से में क्यों हैं सांसद?

साध्वी प्रज्ञा ने दुकान का ताला तोड़ नष्ट कर दी शराब

भोपाल। भोपाल सांसद प्रज्ञा ठाकुर ने मंगलवार को राजधानी भोपाल में एक शराब ठेके का ताला तोड़कर शराब नष्ट कर दी। ताला तोड़ने सांसद ने खुद हथौड़ा चलाया। इसके बाद उन्होंने कहा- मुझे यह कहते हुए शर्म आ रही है कि सीहोर जिले के खजूरिया कला बंगला में शराब का ठेका हमारी भाजपा के विधायक सुदेश राय का है। मैंने इस मामले में इन्वॉल्व आबकारी अधिकारी को सस्पेंड करने के लिए कलेक्टर से कहा है। मैंने एसपी को डाटा है कि उन्होंने गलत जानकारी दी। मुझे बीजेपी का सदस्य होने पर गर्व है। विधायक की ठेके में शामिल होने की बात सामने आने के बाद पार्टी से शीर्ष नेतृत्व से मांग करूंगी कि उसे हटाया जाए। इसका वीडियो भी वायरल है कि यह विधायक का ठेका है। यहां के लोग दुखी हैं और उन्होंने आकर बताया कि यह विधायक का ठेका है। सांसद ने कहा- बालिकाओं, महिलाओं ने आकर बताया कि यहां ठेका चलता है। इसका न तो कोई लाइसेंस है और न ही परमिशन है। पहले भी यह शिकायत आई थी तो जानकारी ली थी और तब यह कहा गया था कि यह ठेका बंद हो चुका है और तब मैंने इसे सही मान लिया था। अब यहां आया तो सच सामने आया। यहां स्कूल के सामने ठेका चलाने का काम चलता पाया। इसे तोड़ने का काम आज मैं कर रही हूं। यहां रखी सभी शराब की बोतलों को तोड़कर नष्ट कर दिया गया। इससे पहले सोमवार को सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर का एक और वीडियो सामने आया था। जिसमें उन्होंने कहा- मैं हाथ जोड़ती हूं, हम जो बोलते हैं, आप लोग उसे तोड़-मरोड़कर दिखाते हैं। इसे मैं बिल्कुल पसंद नहीं करती। टिकट कटने के बाद दिए उनके एक बयान को लेकर मीडिया कर्मी भोपाल स्थित उनके निवास पर प्रतिक्रिया लेने पहुंचे थे। उन्होंने कहा- न पहले, न आज, इस प्रकार का काम पसंद नहीं करती हूं। आज के बाद मैं कोई भी बयान नहीं दूंगी। कोई इंटरव्यू नहीं दूंगी।

सुप्रीम कोर्ट से ममता सरकार को झटका संदेशखाली मामले में तुरंत सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली। ममता सरकार को आज सुप्रीम कोर्ट से तगड़ा झटका लगा। संदेशखाली और शेख शाहजहां मामले में सीबीआई जांच के खिलाफ ममता सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा ठकठकाया था,लेकिन कोर्ट ने इस मामले पर तुरंत सुनवाई करने से इनकार कर दिया।ममता सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सुनवाई कब हो, ये CJI तय करेंगे। शाहजहां शेख को सीबीआई को सौंपे जाने के हाईकोर्ट खिलाफ सुप्रीम कोर्ट मे पश्चिम बंगाल सरकार ने की जल्द सुनवाई की मांग की थी कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले को ममता सरकार ने दी चुनौती ममता सरकार ने हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी है। बता दें कि मंगलवार (5 मार्च) को कलकत्ता हाईकोर्ट ने ईडी टीम पर हमले की जांच को सीबीआई को सौंपने के आदेश दिए थे। दरअसल, ममता सरकार का कहना है कि एसआईटी इस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। सीबीआई को मामला सौंपना बिल्कुल गलत है।

घोर लापरवाही... टाइम-टेबल जारी कर एग्जाम लेना भूली यूनिवर्सिटी

जबलपुर। जबलपुर में रानी दुर्गावती यूनिवर्सिटी की लापरवाही सामने आई है। यूनिवर्सिटी ने परीक्षा का टाइम टेबल तो जारी तो किया पर परीक्षा लेना भूल गई। मामले में जांच के आदेश दे दिए गए हैं। रानी दुर्गावती यूनिवर्सिटी ने करीब 20 दिन पहले एमएससी कंप्यूटर साइंस फर्स्ट सेमेस्टर की परीक्षा आयोजित करने के लिए टाइम टेबल घोषित कर दिया है। छात्रों ने बताया कि मंगलवार (5 मार्च) से होने वाली परीक्षा के लिए छात्रों को एडमिट कार्ड जारी किए गए थे। जब छात्र मंगलवार सुबह विश्वविद्यालय पहुंचे, तो उन्हें बताया गया कि कोई परीक्षा नहीं है और यूनिवर्सिटी ने प्रश्नपत्र भी तैयार नहीं किए थे। एक छात्र ने कहा कि हमने परीक्षा में शामिल होने के लिए पूरी रात पढ़ाई की लेकिन जब हम यूनिवर्सिटी पहुंचे तो हमें बताया गया कि प्रशासन इसे भूल गया है। यूनिवर्सिटी के इस लापरवाही को लेकर एनएसयूआई के कार्यकर्ता आंखों में काली पट्टी बांधकर कुलपति से मिलने पहुंचे, जहां जानकारी लगी कि कुलपति सभी विभाग प्रमुख और कुलसचिव के साथ सभा भवन में बैठक कर रहे हैं-। एनएसयूआई जिंदाबाद के नारे लगाते हुए कार्यकर्ता बैठक में पहुंच गए और कुलपति का सामने जमीन पर बैठकर धरना दे दिया। एनएसयूआई के हंगामे के चलते बैठक को रद्द कर दिया गया। जिसके बाद सभी विभाग प्रमुख अपने-अपने कार्यालय चले गए। एनएसयूआई संगठन के नेता सचिन रजक ने कहा कि यह यूनिवर्सिटी प्रशासन की लापरवाही का एक गंभीर मामला है। वे परीक्षा आयोजित करने के लिए जरूरी डेटशीट और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं को कैसे भूल सकते हैं। छात्रों ने परीक्षा में शामिल होने के लिए कड़ी मेहनत की, लेकिन उन्हें बेवकूफ बना दिया गया। यह किसी छोटे स्कूल या कॉलेज का नहीं बल्कि एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय का मामला है।

तीन करोड़ महिलाओं को लखपति बनाने के लिए इंदौर में हुई शक्ति वंदन दौड़

सिटी चीफ...इंदौर। शक्ति वंदन स्वयं सहायता समूह एवं एनजीओ संपर्क अभियान के तहत शक्ति वंदन दौड़ का आयोजन किया गया। दौड़ गांधी हॉल से राजवाड़ा मां अहिल्या की प्रतिमा तक आयोजित की गई। प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ दौड़ का शुभारंभ हुआ। दौड़ का शुभारंभ विधायक महेंद्र हडिया और नगर अध्यक्ष गौरव रणदीवे ने किया। महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष शैलजा मिश्रा एवं भाजपा नगर महामंत्री सविता अखंड के नेतृत्व में आयोजित इस दौड़ में सैकड़ों महिलाएं उपस्थित हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत संकल्प में महिलाओं की महत्वूर्ण भूमिका को सुनिश्चित करते हुए हर विधानसभा में स्वयं सहायता समूह एवं एनजीओ का सम्मान इस अभियान के तहत किया गया है। इसमें तीन करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाने का संकल्प भी है। आज प्रदेश के सभी जिलों में शक्ति वंदन दौड़ आयोजित की गई है। कल प्रत्येक विधानसभा में पदयात्रा अथवा वाहन रैली निकाली जाएगी तथा छह मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम बंगाल में महासभा और महारैली का आयोजन करेंगे। इसका सीधा प्रसारण हर झोन पर किया जाएगा। कार्यक्रम में आज मुख्य रूप से पार्षद व टकउ, प्रियंका चौहान, शिवानी गर्ग, वृंदा गॉड, गायत्री शर्मा, वंदना सिंह, युक्ता वर्वे, विमला मनाग्र सहित सभी मंडल अध्यक्ष बहनें व कार्यकर्ता उपस्थित हुईं।

इंदौर में लोकसभा टिकट के लिए दिव्या का नाम आगे

आयुषी और कविता भी रेस में

सिटी चीफ...इंदौर। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए इंदौर से महिला नेताओं के नाम भी सामने आ रहे हैं। भाजपा ने पहली लिस्ट में इंदौर का टिकट फाइनल नहीं किया इस वजह से कई नए चेहरों के नाम भी चल रहे हैं। इन चेहरों में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के अलावा कई महिला नेता भी शामिल हैं। इंदौर में अभी शंकर लालवानी सांसद हैं।

दिल्ली के सूत्रों के मुताबिक डॉक्टर दिव्या गुप्ता का नाम इंदौर लोकसभा टिकट के लिए सबसे आगे माना जा रहा है। दिव्या अभी नेशनल कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स की सदस्य हैं। वे लंबे समय से भाजपा से जुड़ी हुई हैं और कई सामाजिक कामों में भी सक्रिय हैं। दिव्या ज्वाला संस्था की प्रमुख हैं और इसके बैनर के तले महिला सशक्तिकरण पर काम करती हैं। इंदौर में उनकी छवि समाजसेवी की है। इससे पहले वे डेली कालेज के प्रतिष्ठित चुनाव में भी उतर चुकी हैं।

आयुषी देशमुख

इंदौर से चल रहे नए नामों में भय्यू महाराज की पत्नी आयुषी उदय देशमुख का भी नाम चल रहा है। मराठी समाज में गहरी पैठ की वजह से वह इंदौर का लोकप्रिय चेहरा हैं। भय्यू महाराज के निधन के बाद वे उनके द्वारा स्थापित सूर्योदय आश्रम का संचालन करती हैं। इसके तहत वे महिलाओं, बच्चों के लिए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम करती हैं। धार्मिक क्षेत्र में भी लगातार सक्रिय हैं और समय समय पर कई कार्यक्रमों का आयोजन करती रहती हैं।

राज्यसभा सदस्य कविता पाटीदार

कविता पाटीदार भाजपा की जानी पहचानी नेता हैं। वे मप्र से राज्यसभा सदस्य हैं। कविता पाटीदार के पिता भेरूलाल पाटीदार मप्र विधानसभा के अध्यक्ष रहे हैं इस वजह से कविता को राजनीति विरासत में मिली है। इससे पहले कविता भाजपा प्रदेश महामंत्री और इंदौर जिला पंचायत अध्यक्ष भी रही हैं। राज्यसभा जाने के बावजूद भी वे इंदौर की राजनीति में सक्रिय हैं। इंदौर में होने वाले भाजपा के लगभग सभी प्रमुख आयोजनों में उनकी मौजूदगी दर्ज की जाती है।

वरिष्ठ नेताओं में इनके नाम भी चल रहे

सांसद शंकर लालवानी को दूसरी बार टिकट मिलने की संभावना के बीच कई अन्य नाम भी चर्चा में हैं। इनमें नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विधायक रमेश मेंदोला, आईडीए के पूर्व अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा, युवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. निशांत खरे, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, शहर अध्यक्ष गौरव रणदिवे जैसे नाम प्रमुखता से शामिल हैं।

विशेष बच्चों की सेवा का रोटरी क्लब ऑफ इंदौर का 60 साल का सफर

सिटी चीफ...इंदौर। रोटरी क्लब का इंदौर में अपने सेवा गतिविधियों का स्थाई एवं जबरदस्त विस्तार करते हुए इंदौर ही नहीं वरन मध्य भारत में पहले और पूरे भारत में दूसरा विकसित मस्तिष्क के बच्चों के विकास और पुनर्वास के लिए रोटरी अंतरराष्ट्रीय संगठन के संस्थापक पॉल पी हैरिस की स्मृति में रोटरी पाल हैरिस स्कूल की स्थापना सन 1963 - 64 में की। इस अभिनव संकल्प की परी कल्पना उसे समय के अध्यक्ष और शहर के सुप्रसिद्ध फोटोग्राफर डॉ. आर व्ही पंडया ने करी थी जिसको रोटरी क्लब इंदौर के पूर्व अध्यक्ष राजा बहादुर सिंह, हरि किशन जी मुच्छाल, बाबूलाल जी बाहेती, डॉ जगदीश सिंह, श्रीचंद मतलानी, डॉ के एन बिल्लौरे, सुरेश कासलीवाल, डॉ एम सी नाहटा, हिरालाल पारिख, डॉ बी एस भंडारी, डॉ एस पी सिंह प्रदीप गांधी आदि की टीम ने इस कल्पना को ना सिर्फ मूर्तरूप दिया अपितु इसे वैज्ञानिक रूप से और आधुनिक ढंग से विकसित भी करने में पूर्ण योगदान दिया, विशेष रूप से राजा बहादुर सिंह, हिरालाल पारिख, श्रीचंद मतलानी और सुरेश कासलीवाल का योगदान अविस्मरणीय है। वर्तमान में विद्यालय समिति के चेयरमैन सरजीव पटेल है जो 15 सालों से इस स्कूल का संचालन कर रहे हैं। रोटरी पॉल हैरिस स्कूल में अविकसित मस्तिष्क के विशेष बच्चों को प्रशिक्षित शिक्षिकाओं के द्वारा दैनिक क्रिया कलाप, अच्छी आदतें, सामान्य व्यवहार, सामान्य ज्ञान, गायन, चित्रकला, नृत्य, समूह में शामिल होना आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है जिससे उनका जीवन कम कष्टप्रद हो । यंहा पर उनकी बौद्धिक क्षमता के अनुरूप व्यवसायिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है। रोटरी पॉल हैरिस स्कूल के द्वारा बच्चों को लाने - ले जाने के लिये वाहन सुविधा, मध्यान्ह भोजन, चिकित्सा सुविधा आदि निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती है। विद्यालय में 60 बच्चों को हर वर्ष प्रवेश दिया जाता है। रोटरी पॉल हैरिस स्कूल स्किम नं 54, विजयनगर में रोटरी क्लब ऑफ इंदौर के परिसर में स्वयं के भवन में संचालित होता है।

यूपी से लड़की से मिलने आया था बॉयफ्रेंड ने दोस्तों के साथ घेर कर मारा

इंदौर में लव जिहाद में हत्या, झाड़ियों में फेंका शव

सिटी चीफ...इंदौर। इंदौर के एरोड्रम इलाके में बांगड़दा रोड पर सोमवार देर रात एक युवक का शव मिला है। उसके शरीर पर चाकुओं से गोदने के निशान मिले हैं। पुलिस ने पहचान होने के बाद सभी आरोपियों को पकड़ लिया है। हत्या में लव जिहाद का एंगल सामने आया है। एरोड्रम पुलिस के मुताबिक घटना बांगड़दा रोड पर बाबा श्री गार्डन के पास की है। यहां 35 साल के जफर उर्फ तौसीफ अहमद निवासी लखनउ उत्तर प्रदेश का शव पड़े होने की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के मुताबिक जफर पर तीन से चार बदमाशों ने हमला किया है। पुलिस ने चारो बदमाशों को हिरासत में ले लिया है। प्रारंभिक पूछताछ में उन्होंने बताया कि मृतक उनके दोस्त को वीडियो के नाम पर धमका रहा था। जफर को उन्होंने एक तरफ बुलाया। हमने उससे मोबाइल मांगा और कहा कि दोस्त का वीडियो डिलीट कर दो। उसके मना करने पर चाकू मार दिए।

मोबाइल में वीडियो ढूंढवाया तो टूटे बदमाश

पुलिस ने मामले में लगातार आरोपियों से पूछताछ की। वे शुरू में तो पुलिस को गुमराह कर रहे थे। तब पुलिस ने चारो आरोपियों से अलग-अलग पूछताछ शुरू की। तब एक ने बताया कि जफर की दोस्ती एक युवती से थी। वह लगातार वाट्सएप और सोशल मीडिया से संपर्क में था।

लड़की की चैटिंग इंदौर में रहने वाले बॉय फ्रेंड ने पढ़ ली थी। इसके बाद लड़की की बात जफर से करवाकर मिलने बुलाया और मौत के घाट उतार दिया। इस मामले में यादव और उसके दोस्त पकड़ाए हैं। सभी छोटा बागड़दा इलाके के रहने वाले है। फिलहाल हत्याकांड में आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

हाई लिंक सिटी के चौकीदार ने दी पुलिस को सूचना

हत्या की सूचना पर डीसीपी आदित्य मिश्रा, एडिशनल डीसीपी अभिनव विश्वकर्मा मौके पर पहुंचे। शव को झाड़ियों से निकलवाकर अस्पताल पहुंचाया। एरोड्रम पुलिस के मुताबिक हाई लिंक सिटी के चौकीदार ने मामले की सूचना पुलिस को दी थी। चौकीदार ने बताया कि एक बाइक सवार उसके पास पहुंचा तो उसने बताया था कि एक युवक को कुछ ही दूरी पर कुछ युवक चाकू और लात-घूंसों से मार रहे हैं। जब दोनों वे युवक को बचाने पहुंचे तो घायल युवक को छोड़कर आरोपी दीवार फांदकर भागने लगे। तभी घायल युवक को देखकर पुलिस को सूचना की। लेकिन पुलिस के आने तक उसकी मौत हो चुकी थी।

विजयनगर से बापट चौराहे तक 45 दिन तक ट्रैफिक डायवर्शन

सिटी चीफ...इंदौर। इंदौर मेट्रो रेल परियोजना के चलते ट्रैफिक पुलिस ने विजय नगर चौराहा से बापट चौराहा तक 45 दिन तक ट्रैफिक डायवर्शन किया है। मंगलवार से यह लागू होगा। बसें और भारी वाहन विजय नगर से सीधे बापट चौराहा नहीं जा सकेंगे। वाहन सत्यसाईं चौराहा, स्कीम 78 तिराहा से स्कीम 136 चौराहा होते हुए न्याय नगर और वहां से बापट चौराहा या आगे की ओर जा सकेंगे। छोटे वाहन विजयनगर से सत्यसाईं चौराहा से बायीं तरफ मुड़कर स्कीम नंबर 54 से राजश्री अपोलो अस्पताल के सामने से होते हुए न्यायनगर से बापट चौराहा या आगे की ओर जा सकेंगे। बापट चौराहे से विजयनगर की ओर आने वाले वाहन भी इसी मार्ग से आ सकेंगे। मेट्रो प्रोजेक्ट पर छोटे वाहन विजयनगर से रसोमा चौराहा से दायीं ओर मुड़कर आस्था चौराहा होते हुए सेंगर चौराहे से मारुति नगर चौराहे और वहां से बापट चौराहे की ओर आ-जा सकेंगे। विजयनगर से बापट चौराहा तक मेट्रो स्टेशन के निर्माण कार्य के दौरान पुलिस ने परिवर्तित मार्ग अपनाने की अपील की है।

संदेशखाली मामले को लेकर एबीवीपी ने किया प्रदर्शन, ममता का पुतला फूंका

सिटी चीफ...इंदौर। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) इंदौर महानगर के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के तक्षशिला परिसर में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुतला जलाया। इसके बाद कलेक्टोरेट पहुंचे। उन्होंने वहां जबर्दस्ती अंदर घुसने की कोशिश की। इस दौरान जमकर हंगामा और धक्का-मुक्की हुई। पुलिस व कर्मचारियों के साथ हाथापाई की नौबत भी आ गई।

दोपहर को परिषद के राष्ट्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्रसिंह सोलंकी, मालवा प्रांत मंत्री राधिकासिंह सिकरवार और महानगर मंत्री सार्थक जैन के साथ छात्र पहले तक्षशिला परिसर में पहुंचे और वहां जमकर प्रदर्शन किया। इसके साथ ही नारेबाजी की। फिर समूह के रूप में कलेक्टोरेट पहुंचे। दरअसल परिषद में पहले सिर्फ खंडवा रोड स्थित परिसर में ही प्रदर्शन की घोषणा की थी। इसके बाद वे कलेक्टोरेट पहुंचे। इस दौरान इन्हें बड़ी संख्या में देख पुलिसकर्मियों ने रोका तो उन्होंने हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस इन्हें संभाल पाती तब तक वे परिसर में जा पहुंचे। इस पर पुलिस ने भवन का चैनल गेट बंद कर दिया तो उन्होंने वहां धक्का-मुक्का की। इस दौरान पुलिस और कर्मचारियों के साथ विवाद व हाथापाई की नौबत आ गई। दरअसल छात्र नेता एसडीएम से ज्ञापन की बात सुनकर राजी नहीं हुए। उन्होंने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपने की मांग की। धक्का-मुक्का के बीच वे चैनल गेट से अंदर चले गए। इस पर पुलिस ने बाहर किया। छात्रों ने बाहर बैठकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि संदेशखाली में महिलाओं के साथ यौन शोषण और उनके परिवारों पर सुनियोजित अत्याचार किया जा रहा है। पश्चिम बंगाल सरकार ?द्वारा अपराधियों को संरक्षण दिया जा रहा है। 10 फरवरी राज्यपाल आनंद बोस के संदेशखाली दौरे के कारण इस वीभत्स शोषण की सच्चाई जनमानस के सामने आई। वहां हिन्दू घरों से जबरन नाबालिग कन्याओं व महिलाओं को चिन्हित कर अत्याचार किए जा रहे हैं। पीड़िताओं में अधिकांश महिलाएं पिछड़े और अनुसूचित जाति की हैं। कई परिवार संदेशखाली से पलायन करने को मजबूर हैं। परिषद ने मांग की कि संदेशखाली के पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच केंद्रीय एजेंसियों द्वारा कराई जाए। दोषियों पर शीघ्र कार्रवाई की जाए। हेल्पलाइन नंबर उपलब्ध कराया जाए। पीड़ित महिलाओं को फ्री कानूनी सहायता दी जाए। इन महिलाओं को मनोचिकित्सकों द्वारा परामर्श सत्रों की भी सुविधा दें। संदेशखाली को भयमुक्त बनाने के सिए केंद्रीय बलों की प्रतिनियुक्ति की जाए ताकि परिवारों के पलायन पर विराम लगाया जा सके। उन्होंने राष्ट्रपति

पहली पत्नी का चाकू से गला रेंता, हत्या के प्रयास का केस दर्ज

सिटी चीफ...इंदौर। इंदौर के बाणगंगा थाने में 8 बच्चों के पिता ने पहली पत्नी का चाकू से गला रेंत दिया। महिला का अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ हत्या के प्रयास के मामले में केस दर्ज किया है। महिला के मुताबिक पति का दूसरी महिला से संबंध है। वह उसी के साथ रहते हैं। अब मेरे साथ रहने का दबाव बना रहे हैं। मैंने मना किया तो मुझे चाकू मार दिया। बाणगंगा पुलिस के मुताबिक शिवनगर में रहने वाली रेखा परिहार (35) को गले पर चाकू मारने के मामले में पुलिस ने उसके पति राजेश परिहार के खिलाफ हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया है। पीड़िता रेखा परिहार ने बताया कि उसकी शादी को 15 साल से ज्यादा का समय हो गया। पीड़िता सांवेर रोड इंडस्ट्रियल एरिया की फैक्ट्री में काम करती है। उसका पति दूसरी महिलाओं के संपर्क में था। कुछ दिन पहले वह दूसरी महिला के साथ रहने चला गया, इसलिए वह अलग हो गई। रेखा और राजेश के आठ बच्चे हैं। इनमें से दो बड़ी बेटियों की शादी हो गई है। रेखा ने बताया कि सोमवार को वह अपनी दो बेटियों के साथ हाट बाजार में जा रही थी। तभी भारत तोल कांटे के पास पति राजेश मिले। उन्होंने कहा कि घर चलो मैं तुम्हारे साथ रहना चाहता हूं। लेकिन मैंने उसके साथ रहने से मना कर दिया। इसके बाद राजेश बेटियों के सामने गालियां देने लगे। और चाकू से मेरे गले पर वार कर दिया। मैं घायल हालत में सड़क पर गिर गई। यह देखकर दोनों बेटियां घबरा गई और शोर मचाने लगी। लोगों को इकट्ठा होते देख राजेश वहां से भाग गया। बाद में रेखा को अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बयान के बाद आरोपी पति राजेश पर कार्रवाई

पेट्रोल पंप से 5 लाख रुपए लूटने वाले तीन लोग पकड़े गए

सिटी चीफ...इंदौर। इंदौर में पेट्रोल पंप पर पेट्रोल डलाने आए स्कूटर की डिक्की से 5 लाख रुपए की लूट का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। क्राइम ब्रांच ने तीन आरोपियों को पकड़ा है। इनमें से एक बदमाश ने रुपए के लेनदेन की बात सुन ली थी। तब उसने दूसरे दो साथियों के साथ मिलकर लूट का प्लान बनाया। घटना की जांच कर रही क्राइम ब्रांच को सीसीटीवी फुटेज हाथ लगे हैं। इसमें सुनील शर्मा लिंबोदी की मोपेड की डिक्की से रुपए लेकर भागते बाइक सवार दो बदमाश दिखाई दे रहे हैं। पुलिस के मुताबिक ये रुपए दीपक भामी निवासी चापड़ा से लेनदेन के थे। दीपक ने अपने साथियों से रुपए लेनदेन की चर्चा की थी। तब उसके पास बैठे एक बदमाश धीरज ने बैग में पांच लाख रुपए होने की बात सुन ली थी। धीरज को पता था कि 29 फरवरी को सुनील शर्मा दीपक के पांच लाख रुपए लेकर निकलेगा। इस मामले में क्राइम ब्रांच ने जानकारी निकाली तो अमीन, धीरज और अजय निवासी हाट पिपलिया को पकड़ा। आरोपियों के पास से रुपए बरामद कर लिए गए हैं। पुलिस अफसरों के मुताबिक धीरज ने अमीन और अजय के साथ लूट का प्लान बनाया। इसके बाद अमीन और अजय ने वारदात को अंजाम दिया। लूट के बाद धीरज ने कुछ रुपए अपने अकाउंट में डलवा लिये। वहीं अपने परिचित दीपक के पास कुछ रुपए रखवा दिए। प्रॉपर्टी कारोबारी से 5 लाख रुपए लूटने वाले तीन आरोपी को क्राइम ब्रांच ने छोटी ग्वाल टोली पुलिस के सुपुर्द कर दिया है।

इंदौर में जाते-जाते लौटी सर्दी.. 15 मार्च तक रहेगा असर

सिटी चीफ...इंदौर। मार्च में मौसम का मिजाज विपरीत बना हुआ है। हालांकि 24 घंटे में रात के तापमान में 3 डिग्री का इजाफा हुआ है, फिर भी मौसम ठण्डा है। बुधवार से एक और वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव हो रहा है। यह गर्मी को प्रभावित करेगा। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक इस बार 15 मार्च तक ठण्ड का असर रहेगा।

रविवार को दिन का तापमान 27.5 (-5) डिग्री और रात का तापमान 9 (-6) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। यह 21 सालों बाद मार्च का पहला कोल्ड डे था। सोमवार को सुबह हल्के बादल छाए लेकिन फिर दिनभर धूप रही। इस दौरान तापमान 27.2 (-5) डिग्री और रात का तापमान 12.6 (-3) डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मंगलवार को सुबह मौसम साफ था। इस दौरान 13 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवा के कारण ठण्ड का असर था। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक इस बार 15 मार्च तक ठण्ड का असर रहेगा। कल से गर्मी को बाधित करने वाला एक और वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय हो रहा है। इसका असर 10 मार्च तक रहेगा। 20 मार्च से गर्मी का असर शुरू होगा और माह के अंतिम दिनों में तापमान 35 डिग्री से ज्यादा रहेगा। हालांकि इस बार 1 मार्च को दिन का तापमान 35.4 (+3) डिग्री सेल्सियस तक जा चुका है। **इसलिए महसूस हो रही है सर्दी**

दरअसल इस बार पहाड़ी इलाकों में जबरदस्त बर्फबारी हुई है। बादल छंटने के साथ ही हवा की दिशा उत्तर-पूर्वी हो गई। बारिश, ओलों के बाद राजस्थान से आने वाली पश्चिमी हवा में भी ठंडापन है। इसके कारण ठण्ड का असर बना हुआ है। 10 मार्च तक मौसम साफ रहेगा।

इंदौर के सरकारी स्कूलों में चलेंगी बसें... कोई फीस नहीं लगेगी

सिटी चीफ...इंदौर। इंदौर जिले के सरकारी स्कूलों में भी स्कूल बसें चलेंगी जो बच्चों को लाने ले जाने का काम करेंगी। ये बसें प्राइवेट स्कूलों की तरह की बच्चों को पिक-ड्रॉप करेगी। खास बात ये है कि सुविधा फ्री रहेगी। इसके लिए किसी प्रकार की कोई फीस नहीं देना होगी।दरअसल, इंदौर संभाग के सभी जिलों में सीएम राइज स्कूल शुरू हुए हैं। बुरहानपुर और बड़वानी में संचालित सीएम राइज स्कूलों में पहले से स्कूल बसें संचालित हो रही है। इन दो जिलों को छोड़ इंदौर सहित बचे हुए सभी जिले जैसे धार, खंडवा, खरगोन, नीमच-मंदसौर में स्कूल बसों का संचालन होगा। बसें नए शैक्षणिक सत्र से चलेंगी।

बता दें इंदौर जिले में 11 सीएम राइज स्कूल संचालित हैं, जिसमें करीब 7500 से अधिक स्टूडेंट पढ़ते हैं। स्टूडेंट्स साइकिल-ऑटो या खुद के साधनों से ही स्कूल आ-जा रहे है, जबकि सीएम राइज स्कूलों में बस सुविधा उपलब्ध है। मगर इंदौर जिले में बीते दो साल से बस का संचालन नहीं हो पा रहा है। बस चलाने के लिए पहले टेंडर निकाले गए लेकिन किसी ऑपरेटर ने रुचि नहीं दिखाई।

हाल ही में फिर से टेंडर जारी हुए थे, जिसमें 2050 रुपए प्रति सीट पर बस संचालित करना तय हुआ है। एजेंसी को ही महिला सुपर वाइजर, ड्राइवर, कंडक्टर सब रखना होंगे। बस 17, 25, 32 और 50 सीटर रहेगी। ये स्टूडेंट्स की संख्या के आधार पर तय होगा। रूट भी इसी आधार पर तय होंगे। बताया जाता है कि इंदौर के तीन सरकारी स्कूल बाल विनय मंदिर, शारदा कन्या और अहिल्याश्रम स्कूल में 1970 से 1995 तक बसें शहर से बच्चों को लेकर स्कूल पहुंचती थी।

12 सूत्रीय मांगों को लेकर किसान संघ ने कलेक्ट्रेक्ट में दिया धरना

सिटी चीफ...भोपाल। जिले के किसानों ने 12 सूत्रीय मांगों को लेकर मंगलवार को कलेक्ट्रेट में धरना -प्रदर्शन किया।इससे पहले वह ट्रैक्टर और चार पहिया वाहन से कलेक्ट्रेट तक पहुंचे। हालांकि जिले की सीमाओं पर तैनात पुलिस बल ने अधिकांश किसानों को रोक दिया था।

बता दें कि भारतीय किसान संघ द्वारा अपनी मांगों को लेकर भोपाल में रैली निकालकर शासन के खिलाफ विरोध जताया। संघ के जिलाध्यक्ष वैद प्रकाश दांगी ने बताया कि शासन ने विधानसभा चुनाव के पहले संकल्प पत्र में किसानों की दो प्रमख मांगे शामिल की थी। इन मांगों को अब तक पूरा नहीं किया गया है। इससे सभी किसानों में असंतुष्ट है सरकार को जल्द से जल्द मांगों को पूरा किया जाना चाहिए ।

ये हैं किसानों की मांगें

- गेहूं 2700 रुपये क्विंटल, धान 3100 रुपये क्विंटल की गारंटी पूरी की जाना चाहिए।
- किसानों पर प्राकृतिक आपदा ओलावृष्टि के कारण फसल में जो नुकसान हुआ है उसका सर्वे कराकर जल्द मुआवजा राशि वितरित की जाना चाहिए ।
- बड़े तालाब के पास120 गांव जो कैंचमेंट के नाम से मास्टर प्लान में शामिल कर व्यवसायिक एवं आवासी प्रयोजन प्रतिबंधित किया है उसे मुक्त कराया जाए।
- किसानों के रिकार्ड व जमीन के नक्शों में जो बंदोबस्त के समय त्रुटी हुई है उसे राजस्व विभाग स्वयं सुधारे।
- राजस्व निरीक्षक, पटवारी द्वारा समय पर सीमांकन नहीं किया जाता है। इसे समय पर कराने का प्रविधान किया जाए।
- रेसई परियोजना से संजय सागर व हलाली डैम को रिजार्च करने की व्यवस्था कर आसपास के गांव में सिंचाई के लिए जल की व्यवस्था की जाए।
- बैरसिया में दो अतिरिक्त तहसील बनाई जाएं जिसमें किसानों के प्रकराणों व समस्याओं का निराकरण जलद किया जा सके।
- वर्ष 2022-23 खरीब की बीमा राशि जल्द से जल्द दी जाए और सूची सार्वजनिक की जाए।
- जिला भोपाल में सरसों का पंजीयन नहीं किया जाता है जिसे जल्द शुरू कराया जाए।
- सभी तरह की फसलों की गिरदावरी समय से पूरी की जाए। जिससे किसानों को पंजीयन कराने में परेशानी न हो।
- खेतों तक जाने के लिए बेहतर सड़कें बनाई जाएं। जिससे किसानों को परेशानी का सामना न करना पड़े।
- पंचायतों में मौजूद शासकीय तालाबों का गहरीकरण कराया जानाचाहिए। जिससे ग्रामीणों को पर्याप्त जल मिल सके।

एम्प्री से मिसरोद तक हटने लगा बीआरटीएस, 6 किमी हिस्सा हटेगा

सिटी चीफ...भोपाल।। भोपाल के बैरागढ़ (संत हिरदाराम नगर), रोशनपुरा और कमला पार्क के बाद अब होशंगाबाद रोड पर भी बीआरटीएस (बस रैपिड ट्रांजिट सिस्टम) हटने लगा है। एम्प्री से बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी के बीच पहले फेज में बीआरटीएस हटेगा। फिर बागमुगालिया, मिसरोद तक हटाया जाएगा। 6 किमी हिस्से को अगले 2 महीने में पूरी तरह हटाने का प्लान है। बीआरटीएस हटने के बाद सड़क की चौड़ाई 23.40 मीटर हो जाएगी। इसमें सवा मीटर की सेंट्रल वर्ज और दोनों ओर 3-3 लेन बनेगी। सेंट्रल वर्ज में पौधे लगेंगे। तीन जेसीबी की मदद से पहले पक्के स्ट्रक्चर को तोड़ा जा रहा है। फिर गैस कटर से लोहे के एंगल काटे जा रहे हैं। ट्रैफिक को देखते हुए बेरिकेडिंग भी की गई है। ताकि, कोई हादसा न हो। हालांकि, शाम को ट्रैफिक जाम की स्थिति भी बनी, क्योंकि पीक ऑवर्स में कई गाड़ियां बीआरटीएस से गुजरती थी, जो सोमवार को नहीं गुजर पाई।

एप्री के पास पहले एक तरफ की रेलिंग हटाई जा रही है। फिर दूसरी रेलिंग हटने लगेगी। इसके साथ ही सड़क की मरम्मत का काम भी चलेगा। ताकि, ट्रैफिक जाम न हो।

रोशनपुरा से बाणगंगा के बीच हट चुका बीआरटीएस

बीआरटीएस को तोड़ने का काम अभी 3 जगहों पर चल रहा है। बैरागढ़ में 60त्न काम पूरा हो चुका है। वर्तमान में बाजार के बीच में काम चल रहा है। कमला पार्क और कलेक्टोरेट के बीच भी ज्यादातर काम पूरा हो चुका है। रोशनपुरा से पॉलिटेक्निक कॉलेज के बीच दो हिस्से में काम पहले ही पूरा हो चुका है।

6 लेन हो गई सड़क की चौड़ाई

जिन जगहों पर बीआरटीएस कॉरिडोर को तोड़ा गया, वहां पर सड़क की चौड़ाई 23 मीटर या इससे अधिक हो गई है। अभी सेंटर वर्ज नहीं बनाई गई है। इसके बनने के बाद उसमें सौंदर्यीकरण के लिए पौधे लगाए जाएंगे।

सीएम ने देखा था प्रजेंटेशन

जनवरी में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रजेंटेशन देखने के बाद बीआरटीएस को हटाने के निर्देश जिला प्रशासन को दिए थे। 20 जनवरी से बैरागढ़ से शुरूआत हुई। हलालपुर बस स्टैंड से बैरागढ़ की ओर के बीआरटीएस कॉरिडोर का ज्यादातर हिस्से को हटा दिया गया है।

21 ट्रैफिक सिग्नल और 3 गेंट्री हटाई जा रही

कॉरिडोर में स्थित 21 ट्रैफिक सिग्नल के अलावा 3 गेंट्री के साथ ही यहां लगे सीसीटीवी कैमरे भी हटाए जा रहे हैं। ज्यादातर हिस्से में इन्हें हटा दिया गया है।

48 बस स्टॉप भी हटाए जा रहे

कॉरिडोर में 48 बस स्टॉप को हटाया जाना है। इनमें लालघाटी क्षेत्र, बाणगंगा, पॉलिटेक्निक चौराहा के 2 बस स्टॉप हटा दिए गए हैं। अब होशंगाबाद रोड के बस स्टॉप भी हटाए जाएंगे।

सिंगल कॉलम

लोडिंग वाहन ने आधा दर्जन वाहनों को टक्कर मारी, दो लोग घायल

भोपाल। भोपाल के जहांगीराबाद की बैंक कॉलोनी में एक लोडिंग ड्राइवर ने सड़क किनारे खड़े आधा दर्जन वाहनों को टक्कर मार दी। हादसे में दो लोगों को चोटें आई हैं। घटना के बाद आरोपी ड्राइवर मौके पर गाड़ी को छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने उसके खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पूरी घटना से जुड़ा सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। पुलिस के मुताबिक बैंक कॉलोनी में अभिषेक साहू रहते हैं। उन्होंने बताया कि उनकी सेंट्रो कार घर के बाहर खड़ी थी। सोमवार की शाम को करीब 7 बजे बुलेरो पिकअप को ड्राइवर तेजी व लापरवाही से वाहन को चलाते हुआ लाया और घर के बाहर खड़ी कार को टक्कर मार दी। ड्राइवर ने पहले कार को टक्कर मारी, इसके बाद उसके आगे खड़ी करीब पांच बाइकों को चपेट में ले लिया। हादसे के समय एक बाइक चालक बाइक पर ही बैठा हुआ था, जिसे हादसे में चोटे आई हैं। बताया जा रहा है कि इससे पहले गाड़ी के ड्राइवर ने एक बच्चे को भी टक्कर मार दी थी।

फैशन डिजाइनर को श्वान ने काटा, मालिक पर एफआइआर दर्ज

भोपाल। राजधानी में श्वानों द्वारा लोगों पर हमला करने/काटने की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला हबीबगंज इलाके में स्थित अरेरा कालोनी में सामने आया है, जहां रहने वाली एक महिला को पड़ोसी के श्वान ने ने काट लिया। महिला पेशे से फैशन डिजाइनर है। उसने घटना की शिकायत हबीबगंज थाने पहुंकर की है। पुलिस ने श्वान के मालिक पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हबीबगंज थाना पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 29 साल की प्रियांजलि राजलक्ष्मी, ई-1, अरेरा कालोनी में रहती हैं। वह मुंबई में फैशन डिजाइनिंग का काम करती हैं। उन्होंने बताया कि वह कुछ दिनों से भोपाल अपने घर आई?थी। शनिवार रात वह घर के पास टहल रही थीं। उसी दौरान पड़ोस में रहने वाले शिवांश सक्सेना अपने श्वान को घुमा रहे थे। श्वान के गले में कोई चेन या रस्सी नहीं थी। उनको देखकर अचानक वह उनकी ओर लपक पड़ा और उन्हें काट लिया।

इनोवा कार की टक्कर से एक्टिवा सवार की मौत, एक गंभीर घायल

भोपाल। कोलार इलाके में सोमवार शाम तेज रफ्तार इनोवा कार ने एक्टिवा सवार दो लोगों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसके साथी की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार चंद्रशेखर पुत्र एसएस वर्मा (45) सी-सेक्टर में रहता था। वह इंदौर की एक प्रायवेट कंपनी में काम करता था। वह शाम 7 अपने दोस्त भरत के साथ एक्टिवा पर सवार होकर कही जा रहा था। एक्टिवा भरत चला रहा था, जबकि पीछे चंद्रशेखर बैठा हुआ था। इसी बीच बैरागढ़ चीचली के पास पीछे से आई इनोवा कार ने एक्टिवा को जोरदार टक्कर मार दी। घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया था। हादसे की खबर लगते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। जहां देर रात में चंद्रशेखर ने दम तोड़ दिया। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक का शव बरामद कर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घायल की हालत भी नाजुक होना बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

भोपाल ऑल इंडिया अंजुमन वजीफा-ए-सआदत का जलसा

भोपाल। भोपाल में शिया मुसलमानों की एक अनूठी संस्था ऑल इंडिया अंजुमन वजीफा-ए-सआदत गरीब बच्चों को पढ़ने के लिए स्कॉलरशिप के साथ ही शिक्षा ऋण भी देती है। 111 साल पहले 72 आने यानी 4.50 रुपए से इसका गठन स्वर्गीय सैयद जलालुद्दीन हैदर और स्वर्गीय नवाज मोहसिन मिर्जा ने किया था। यह संस्था अब तक नौ हजार लोगों को शिक्षित और उच्च शिक्षित बना चुकी है। इस संस्था का एक दिनी जलसा भोपाल में हुआ तो शिया बिरादरी की कई शख्सियतों ने इसमें भाग लिया। उद्योगपति नवाब रजा ने कहा कि शिया मुसलमानों में गरीबों और बेरोजगार की बड़ी तादाद है। गरीब होने से शिया मुसलमान सामाजिक रूप से पिछड़ा हुआ है। उन्होंने समाजजनों से बिरादरी के गरीब बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाने का आव्हान किया। कादरी बने नए अध्यक्ष कार्यक्रम में विधायक आतिफ अकील ने सात बच्चों को 24-24 हजार रुपए के स्कॉलरशिप के चेक पढ़ाई के लिए बांटे। इस अवसर पर हुए चुनाव में सैयद एहसान इमाम कादरी संस्था के नए अध्यक्ष चुने गए। संस्था के प्रदेश सचिव रिजवी ने बताया कि संस्था के कारण कई स्टूडेंट आज इंजीनियर, डॉक्टर, वकील, शिक्षक, न्यायाधीश, बैंकर आदि हैं। आर्थिक स्थिति का सर्वे कर स्कॉलर शिप के लिए पात्र का चयन किया जाता है।

राम के नाम जनजागृति को लेकर भोपाल में बैठक

भोपाल। राम के नाम जनजागृति को लेकर सोमवार को भोपाल के पूर्व कमिश्नर और सीनियर आईएएस के निज निवास पर बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें भोपाल के सभी क्षेत्रों के सक्रिय सदस्यों को आमंत्रित किया गया। बैठक में एक मत से संस्कार शालाएं एवं भगवान राम के संपूर्ण जीवन यात्रा के विषय को अत्यंत सहज और सरल शब्दों में भावी पीढ़ी के समक्ष रखने पर सहमति बनी।

भोपाल उत्सव समिति मानस भवन में लगाएगी कृत्रिम अंग

-48 दिव्यांगों की जिंदगी होगी आसान

भोपाल। भोपाल मेला उत्सव समिति मंगलवार को मानस भवन में दिव्यांगों को बांटेंगी कृत्रिम अंग। किसी का ट्रेन के नीचे आने से पैर कट गया, तो वहीं मशीन में आने से किसी का हाथ कट गया। ऐसे 48 दिव्यांगों को लगाए जाएंगे कृत्रिम अंग। कृत्रिम अंग लगने के सूचना के बाद से लगातार दिव्यांग समिति के सदस्यों को फोन करके जानकारी ले रहे हैं। समिति के महामंत्री सुनील जैनाविन ने बताया कि भोपाल उत्सव समिति और भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम अलिम्को संस्था के द्वारा कृत्रिम अंग वितरण किया जाएगा। इसके लिए पिछले साल 13 व 14 दिसंबर को शिविर का आयोजन किया गया था। इसमें 250 दिव्यांगों ने कृत्रिम अंग बनवाने के लिए नाप दिया था। शेष 202 दिव्यांगों के अंग नारायण संस्थान, रोटरी क्लब के माध्यम से तैयार हो रहे हैं, जिन्हें जल्दी ही वितरित किया जाएगा।

आत्मनिर्भर बनाना है उद्देश्य

मेला समिति के उपाध्यक्ष राजेश ने बताया कि मेला उत्सव समिति 32 सालों से जन कल्याण का काम कर रही है। दिव्यांगों की जिंदगी बहुत कठिन होती है। कई बार परिजन भी दिव्यांगों को बाहर कर देते हैं

रिश्वतखोरी मामले में एनएचएआइ के दो और अधिकारी गिरफ्तार

भोपाल। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) के अधिकारियों और बंसल कंस्ट्रक्शन वर्क्स के दो निदेशकों की गिरफ्तारी के दूसरे दिन भी सीबीआइ की कार्रवाई जारी रही। जांच एजेंसी ने सोमवार को इस मामले में एनएचएआइ भोपाल के प्रोजेक्ट डायरेक्टर राजेंद्र कुमार गुप्ता और विदिशा के प्रोजेक्ट डायरेक्टर हेमंत कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया है। इस तरह अब तक इस मामले में आठ आरोपित गिरफ्तार किए जा चुके हैं। उधर, जांच एजेंसी ने आरोपितों से जुड़े स्थानों पर दूसरे दिन भी जांच की जिसमें 90 लाख रुपये जब्त किए गए। इस तरह अब तक दो करोड़ रुपये की जब्ती हो चुकी है। जांच एजेंसी ने सोमवार को बंसल कंस्ट्रक्शन वर्क्स के निदेशक अनिल बंसल, उनके बेटे कुणाल बंसल, कंपनी का कर्मचारी छत्तर सिंह, राजेंद्र कुमार गुप्ता और हेमंत कुमार को भोपाल जिला न्यायालय में पेश किया जहां से नौ मार्च तक के लिए उन्हें पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। बाकी तीन आरोपितों को मंगलवार को पेश किया जा सकता है।

रंगे हाथों किया था गिरफ्तार उल्लेखनीय है कि नागपुर में एनएचएआइ के जीएम अरविंद काले को बंसल कंपनी के कर्मचारी द्वारा 20 लाख रुपये रिश्वत देने के मामले में सीबीआइ ने रविवार को उन्हें रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। दो दिन में जांच एजेंसी ने नागपुर (महाराष्ट्र) एवं भोपाल, हरदा, विदिशा व डिंडौरी (मध्य प्रदेश) में स्थित आरोपितों के कार्यालय, आवास सहित 16 अलग-अलग स्थानों पर तलाशी ली।

नवीन अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में पहुंचे सीएम मोहन यादव

दिया सुशासन का मंत्र

भोपाल। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा वर्ष 2019 एवं 2020 बैच में चयनित व नियुक्त राज्य शासन के अधिकारियों के लिये राजधानी भोपाल में स्थित आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी में मंगलवार से आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। इसके उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव शामिल हुए। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में सीएम डा. मोहन यादव ने नव-नियुक्त अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि ह्लआप जितना प्रशिक्षण लेंगे, उतना ही निखरेंगे। आप सबका जीवन चंदन के समान बने, जिसे जितना घिसा जाए, उतनी ही सुगंध बढ़ती जाए। मेरी ओर से आप सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं। जो कायर होते हैं, वह काम को टालते हैं। हमें कायर नहीं, बहादुर बनना है। अगर कुछ सही है, तो उस दिशा में जरूर बढ़ना चाहिए। सही दिशा में बढ़ने से साख और पहचान बनने के साथ ही आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

विक्रम-बेताल की कथाओं से सीखें सुशासन मुख्यमंत्री ने कहा कि विक्रम और बेताल की कथाओं के माध्यम से बहुत कुछ सीखा जा सकता है। ये कथाएं हमें बताती हैं कि, एक सुयोग्य प्रशासक अपने पुरुषार्थ, समझ, समन्वय और तालमेल से बहुत अच्छे तरीके से शासन कर सकता है। सम्राट विक्रमादित्य ने भी प्रशासन के सारे सूत्र हाथ में लेकर सुशासन के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई थी।

प्रशिक्षण से निखरती है कार्यकुशलता सीएम मोहन यादव ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार के निर्णयों के क्रियान्वयन में प्रशासनिक अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। पूरे देश में मध्यप्रदेश के प्रशासन को विशेष सम्मान से देखा जाता है। इस तरह के प्रशिक्षण से अधिकारियों की कार्य कुशलता में और भी निखार आता है। प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे सभी अधिकारियों को मेरी शुभकामनाएं।

समग्र आइडी का आधार के साथ ई-केवायसी के लिए चलाया जा रहा अभियान

सिटी चीफ...भोपाल। जिले में समग्र पोर्टल में नागरिकों के ह्यसमग्र आइडी का आधार से शत प्रतिशत ई-केवायसी करने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। शासन ने इसे 15 मार्च तक पूरा करने का लक्ष्य तय किया है। साथ ही इसी अवधि में भू-स्वामी द्वारा आधार सत्यापित समग्र को राजस्व भू-अभिलेख (खसरे) से लिंकिंग का कार्य भी प्राथमिकता से किया जाना है। नागरिकों के लिए समग्र आइडी का आधार से ई-केवायसी का कार्य एमपी आनलाइन, कामन सर्विस सेंटर के कियोस्क तथा लोक सेवा केंद्रों के माध्यमों से किया जा रहा है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख सचिव निकुंज कुमार श्रीवास्तव ने इसकी जानकारी दी।

पोर्टल एवं मोबाइल एप पर भी किया जा सकता है कार्य

उन्होंने बताया कि यह कार्य सीधे समग्र पोर्टल एवं समग्र मोबाइल एप पर भी किया जा सकता है। इस प्रक्रिया में नागरिकों की जानकारी का सत्यापन उनके आधार, आईडी विवरण के अनुसार किया जाता है। समग्र पोर्टल पर समग्र आइडी एवं आधार की जानकारी का शत-प्रतिशत मिलान होने पर ई-केवायसी की प्रक्रिया स्वतः पूर्ण हो जाती है। यदि समग्र एवं आधार की जानकारी में अंतर है तो यह प्रक्रिया ग्राम पंचायत, वार्ड प्रभारी द्वारा सत्यापन के बाद पूरी की जाती है। आधार में त्रुटि होने पर ई-केवायसी कराने से पहले आधार सुधरवाना चाहिए।

नागरिकों के लिये ई-केवायसी प्रक्रिया निशुल्क

नागरिकों के लिये ई-केवायसी प्रक्रिया पूर्णतः निशुल्क है। कियोस्क एजेंसी को प्रति सफल ट्रांजेक्शन के लिए एमपीएसईडीसी द्वारा 18 रुपये प्रति ट्रांजेक्शन दिया जाएगा। ई-केवायसी के लिए जिलेवार, स्थानीय निकायवार, वार्डवार एवं ग्राम पंचायतवार समग्र धारकों की सूची पोर्टल पर उपलब्ध है। समग्र पोर्टल पर एक अलग माड्यूल के माध्यम से केवल ई-केवायसी सत्यापित समग्र आइडी को भूमि से जोड़ने के लिये अनुरोध दर्ज कराया जा सकेगा। यह प्रक्रिया समग्र पोर्टल पर मेन्यू ह्यसमग्र से भूमि लिंक करेंह्ल पर जाकर की जा सकेगी।

बायोमेट्रिक द्वारा करने पर लिंकिंग प्रक्रिया पूरी होगी

एक या एक से अधिक भू-स्वामी की आईडी का चयन करने के बाद आवेदक को आधार-आधारित सत्यापन ओटीपी अथवा बायोमेट्रिक द्वारा करने पर लिंकिंग प्रक्रिया पूरी होगी। भू-स्वामियों एवं खसरों संबंधित सूची राजस्व विभाग द्वारा जिला स्तर पर उपलब्ध कराई जाएगी। सभी भू-स्वामियों का भू-अभिलेख ई-केवायसी सत्यापित समग्र से लिंक कराना सुनिश्चित किया जाए। मैदानी अमले द्वारा दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में ई-केवायसी अभियान के लिये संबंधित एजेंसियों एमपी आनलाइन एवं सीएससी कियोस्क को विशेष अभियान,कैम्पेन,कैंप के लिये आवश्यक सहयोग,समन्वय प्रदान किया जायेगा।

जिलेवार ई-केवायसी अभियान के क्रियान्वयन के लिए कार्ययोजना तैयार

एजेंसियों के जिला स्तरीय समन्वयकों के साथ सतत संपर्क एवं समन्वय स्थापित कर जिलेवार ई-केवायसी अभियान के क्रियान्वयन के लिए कार्य योजना तैयार कर कार्यवाही की जायेगी। जिले में कलेक्टर कार्यालय द्वारा ई-केवायसी अभियान कैंप के लिए स्थानों का चयन सीएससी एवं एमपी आनलाईन जिला प्रबंधकों के समन्वय से किया जायेगा। जिला, तहसील, ब्लाक, पंचायत, ग्राम और वार्ड स्तर पर प्रचार-प्रसार कर नागरिकों को एजेंसियों के केंद्र पर अथवा कैम्प स्थल पहुंच कर ई-केवायसी करवाने के लिए प्रेरित किया जाए। जिन समग्र धारकों के ई-केवायसी पूर्व में किये जा चुके है, एजेंसियों के माध्यम से उनके दोबारा ई-केवायसी प्रक्रिया नहीं की जाएगी।

संपादकीय

सत्ताकांक्षा में लिपटा नया 'परिवार नियोजन'!

'महा उपनिषद' में हमारे ऋषियों ने जिस उदात्त और वैश्विक भाव से 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की उक्ति कही होगी, तब उन्होंने शायद ही सोचा होगा कि हजारों साल बाद भारत में इस कौटुंबिक भाव का रूपातंरण राजनीतिक परिवारवाद में हो जाएगा। परिवार सत्ता पर काबिज होने और उसे कायम रखने तथा ऐसा करने वाले राजनीतिक निशाने पर होंगे। जाहिर है एक समय ऐसा भी आएगा कि सत्ता का संघर्ष परिवारवाद और गैरपरिवारवाद के बीच केन्द्रित होने लगेगा। राजनेता इसे ही अपनी तलवार और ढाल दोनो बनाने में कामयाब होंगे। दूसरे शब्दों में कहें तो यह सत्ता के खोल में लिपटा नया परिवार नियोजन है, जिसमें परिवार की हदें और स्वार्थ राजनेता अपने अपने हिसाब और सुविधा से तय कर रहे हैं। हाल में बिहार की राजधानी पटना में आयोजित इंडिया गठबंधन की महारैली ने लालूप्रसाद यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के परिवार पर सवाल उठाए तो जवाब में मोदी ने कहा कि सारा देश ही उनका परिवार है। या यूं कहें कि मोदी ही देश हैं और देश ही उनका परिवार है। इसी तर्ज पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जिन्होंने राजनीतिक पलटीमारी में नए मानदंड कायम किए हैं, ने कहा कि सारा बिहार ही मेरा परिवार है। अब इसी सिलसिले को सांसद, विधायक, पार्षद और पंच तक ले जाएं तो हर कोई अपने क्षेत्राधिकार मंर एक 'परिवार के पोषण' का बोझ लिए चल रहा है, क्योंकि इसी परिवार में वोट के बीजाणु छिपे हुए हैं। अर्थात् यह नया परिवारवाद असल में वोटवाद का परिवारीकरण है। गुजरे समय में राजपरिवारों में सत्ता संघर्ष हुआ करता था। राजा का बेटा ही राजा बनता था। मुगलों के जमाने में तख्त के लिए एक बेटा अपने ही सगे भाइयों को मौत के घाट उतारने में नहीं हिचकता था। बाद में अंग्रेज आए तो सत्ता संचालन का नया कंसेप्ट लेकर आए, जो मूलतः वशंवादी होते हुए भी उपनिवेशों में पेशेवर लोगों के भरोसे ज्यादा था। आजादी के बाद भारत में लोकतंत्र कायम हुआ तो सामंती परिवारवाद ने भी नया चोला पहन लिया। कुछ राजपरिवारों ने लोकतांत्रिक परिवारवाद अपनाकर अपनी भौतिक सत्ता कायम रखी तो इसी के साथ जमीनी संघर्ष से कई ऐसे नए चेहरे उभरे कि जिन्होंने अपने लंबी जद्दोजहद के बाद मिली सत्ता की पूंजी अपनी भावी पीढ़ी के नाम इन्वेस्ट कर दी। 90 के दशक में उभरा यह परिवारवाद राजपरिवारों के दैवी परिवारवाद से अलग सत्ता प्रसूत और सत्ता केन्द्रित नया परिवारवाद था, जो राजनीतिक दलों की शक्ल में अब अलग अलग राज्यों में अलग अलग तरह से प्रस्थापित हो चुका है। काफी हद तक लोकमान्य यह परिवारवाद कहीं अपनी सत्ता को बचाने के लिए है तो कहीं सत्ता को पाने के लिए है। फिर चाहे वह लालू प्रसाद की पार्टी राजद में तेजस्वी यादव हों, समाजवादी पार्टी में अखिलेश यादव एंड परिवार हो, रालोद में जयंत चौधरी हों, भारत राष्ट्र समिति के के. चंद्रशेखर राव हो, डीएमके के एम.के.स्टालिन अथवा उदयनिधि हों, शिवसेना के उद्धव एवं आदित्य ठाकरे हों, अकाली दल के सुखबीर सिंह बादल हों, नेशनल कांफ्रेंस के फारूख अब्दल्ला और उमर अब्दुल्ला हों, पीडीपी की महबूबा मुफ्तीम हों या फिर तृणमूल कांग्रेस में ममता के बाद उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी हों, सभी इसी परिवारवादी आकाशगंगा के जुगनू हैं। इसी आकाशगंगा में कांग्रेस के राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की हैसियत उस सितारे जैसी है, जिसकी चमक अभी बाकी है। इन परिवारजन्य नेताओं के राजनीतिक आग्रहों में विचारधारा के साथ-साथ यह भाव भी शिद्दत से शामिल हैं कि लीडर बनने का अधिकार उन्हें आनुवांशिक रूप से मिला है। या यूं कहें कि उनका अवतरण ही इसलिए हुआ है कि वो जनता के वोटों के सहारे सत्ता हासिल करें और उसका उपभोग करते हुए अपनी अगली पीढ़ी को इस दैवी दायित्व को वहन करने के लिए अभी से तैयार करें। इस मामले में भाजपा का परिवारवाद थोड़ा अलग है। वहां बहुत से ऐसे लोग भी हैं, जो परिवार रखते ही नहीं या रखते भी हैं तो सन्यस्त भाव से उससे विलग हो जाते हैं। गहराई से देखें तो भाजपा में परिवारवाद 'पैतृक सेवावाद' के रूप में है। यानी जो पार्टी की दशकों से सेवाकर कर रहा है और किसी बड़े नेता का पुत्र या पुत्री है तो परिवारवाद का महाप्रसाद उसके लिए आरक्षित है। बहरहाल, बात राजनीतिक परिवारवाद की। दिलचस्प यह है कि जिस जमाने में भारतीय राजनीति पर परिवारवाद हावी नहीं था, उस वक्त देश में परिवार नियोजन की खूब बात होती थी। तब देश की आबादी आज की तुलना में आधी भी नहीं थी, लेकिन एक चिंता सत्ताधीशों और समाज को सतत् खाए जाती थी कि देश की आबादी इसी रफ्तार से बढ़ती रही तो न जाने क्या होगा? कितने हाथों को काम मिलेगा और कितने पेट को रोटी मिल सकेगी, इसीलिए परिवार की अच्छी तरह से परवरिश करनी है तो परिवार छोटा रखो। यानी 'हम दो हमारे दो।' इस नियोजित परिवार के आग्रह का एक प्रतीक चिन्ह भी हुआ करता था 'लाल तिकोन।' कवि बालकवि बैरागी ने तो उस पर कविता भी रची थी ' गुदनवारे गोद दे रे लाल तिकोना, लाल तिकोना तो है रे मेरा सलोना।' परिवार को सीमित रखने का यह राजनीतिक आग्रह देश में इमर्जेंसी के दौरान सरकारी दुराग्रह में बदल गया। इसे चलाने वाले इंदिरा गांधी और संजय गांधी सत्ता से बेदखल हो गए। उसी के साथ परिवार को नियोजित रखने के कार्यक्रम का उत्साह भी ठंडा होता गया। बाद में इसे चलाने वाले विभाग का नाम भी परिवार कल्याण विभाग हो गया। देश की आबादी अपनी रफ्तार से बढ़ती रही और परिवारवादी पार्टियां भी। अब आलम यह है कि हर व्यक्ति अपनी एक छोटी पार्टी बनाता है और उसे प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की तरह चलाने लगता है। उसका नियंता वह स्वयं और बाद में उसकी संताने इसका चार्ज ले लेती हैं। मतदाता के पास इतना ही विकल्प रहता है कि वह इस परिवार को चुने या उस परिवार को। आज जब हम दुनिया की सर्वाधिक आबादी वाले और सबसे ज्यादा परिवारवादी पार्टियों के देश हैं तब परिवारवाद का अर्थ पूरी तरह से राजनीतिक हो गया है। जब कोई यह कहता है कि 'फलां फलां मेरा परिवार है' तो राजनीति की डिक्शनरी में उसका अर्थ 'वोट परिवार' से होता है। अर्थात् इतने वोट मेरे या मेरी पार्टी के खाते में हैं। मैं इस अकाउंट को प्लस करता जाऊंगा। या यूं समझे कि जब किसी व्यक्ति पर परिवार को लेकर सियासी हमला होगा तो वह जवाब में परिवार का व्यापक वोटपूंजीकरण कर डालेगा। ताकि सत्ता का प्रति शेयर भाव बढ़ता रहे। इसीलिए जब लालू प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर परिवार को लेकर व्यक्तिगत हमला करते हैं तो मोदी देश को ही अपना परिवार बताने में देरी नहीं करते। इसी तरह चूंकि नीतीश कुमार की दौड़ बिहार तक ही है, इसलिए वो बिहार को अपना परिवार बताते हैं। यानी यहां परिवार की हदें भौगोलिक सीमाएं तय करती हैं। ऐसे में कोई पंच भी अपने पंचायत हल्के को अपना 'परिवार' कह सकता है। यह अधिकार उसने स्वतः अर्जित कर लिया है बावजूद इसके कि खुद उसके परिजन उसे इस योग्य माने न मानें। कुल मिलाकर अब सत्तावाद परिवारवाद की नई शक्ल में है। चाहे इसका हो या उसका हो। वह सत्ता हासिल करने का कारण भी है और सत्ता से बेदखल करने का कारण भी है। वह जन्मना अधिकार भी है और जनसंख्या जनित विशेषाधिकार भी है। वह वोटों के जोड़ में सम संख्या भी है और वोट छीनने के लिए विषम भाव भी है। परिवारवाद अगर सत्ता दिलाता है तो सौभाग्य का सिंदूर है और यदि इसी कारण से सत्ता जाती है तो वह वैधव्य की चूड़ियां हैं।

यूरोपीय संघ को जरूरत है भारत की ...क्योंकि

विश्व मंच पर बढ़ रहा है भारत का कद

हाल ही में रायसीना डायलॉग से अलग यूरोपीय संघ और भारतीय विशेषज्ञों ने साइबर सुरक्षा और सहयोग पर जोर देते हुए ऑनलाइन दुष्प्रचार को रोकने पर विचार किया। कई नई प्रौद्योगिकियां आई हैं, खासकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में चैटजीपीटी का दुरुपयोग भी हो रहा है। और अब सिर्फ यूरोप और अमेरिका के पास ही नहीं, बल्कि चीन और रूस के पास भी सैन्य एवं अंतरिक्ष के क्षेत्र में कई आधुनिक प्रौद्योगिकियां हैं। इसलिए साइबर सुरक्षा को मजबूत बनाने, ऑनलाइन दुष्प्रचार और दुरुपयोग को रोकने, अपनी टेक्नोलॉजी को अपडेट करने और उन्हें उन्नत बनाने के लिए दुनिया भर के देशों में विचार-विमर्श हो रहा है। जीवन के उच्च मानक, समृद्धि और संपन्नता, सीखने और बढ़ने के लिए अपार अवसर, मजबूत राजनीतिक संस्थान यूरोपीय देशों की विशेषता रही हैं, इसलिए यूरोपीय देशों के साथ ठोस रिश्ते बढ़ाना भारत के लिए आवश्यक है, लेकिन मौजूदा समय में हमें कई बातों पर ध्यान देने की जरूरत है। पिछले दिनों ईयू इंडो-पैसिफिक मिनिस्ट्रियल फोरम की बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत और यूरोपीय संघ के बीच के जुड़ाव पर बात करते हुए कहा कि यूरोपीय संघ बहुध्रुवीय दुनिया को पसंद करता है और यह बहुध्रुवीय दुनिया एशिया के जरिये ही मुमकिन है। यूरोपीय संघ इंडो-पैसिफिक के साथ जुड़ाव बढ़ाने के लिए समान विचारधारा वाले साझेदारों की तलाश करेगा और भारत उनमें से एक है। विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि भारत में डिजिटल सार्वजनिक वितरण या हरित विकास की पहल जैसे कई बदलाव हो रहे हैं। इन बदलावों से यूरोपीय संघ का भारत के प्रति ध्यान आकर्षित हुआ है। वैश्विक मंच पर भारत का कद तेजी से बढ़ने से भविष्य में यूरोपीय संघ के साथ जुड़ाव और बढ़ेगा। भारत और यूरोपीय संघ के रिश्ते 1960 के दशक की शुरुआत में बने, जब भारत ने यूरोपीय आर्थिक समुदाय के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किए। वर्ष 1994 में यूरोप के साथ हमने एक द्विपक्षीय सहयोग समझौता किया, जिससे व्यापार और आर्थिक सहयोग काफी बढ़ा। पहला भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन लिस्बन में हुआ, जिससे संबंधों को गति मिली। हेग में हुए पांचवें भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन में इस रिश्ते को 'रणनीतिक साझेदारी' में उन्नत किया गया। यूरोपीय संघ भारत को एक उभरती हुई वैश्विक शक्ति के रूप में देखता है और वह दोनों पक्षों के बीच सुरक्षा और रक्षा सहयोग का आह्वान करता है। द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी के तहत व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा, विज्ञान व अनुसंधान, परमाणु अप्रसार और निरस्त्रीकरण, आतंकवाद का मुकाबला, साइबर सुरक्षा, समुद्री डकैती, प्रवासन और गतिशीलता आदि इकतीस संवाद तंत्र शामिल हैं। चीन, अमेरिका के बाद यूरोपीय संघ भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है, जबकि भारत यूरोपीय संघ का 10वां सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। अमेरिका के बाद यूरोपीय संघ भारतीय निर्यात का दूसरा सबसे बड़ा गंतव्य है। जबसे यूक्रेन-रूस युद्ध छिड़ा है, खासकर पश्चिमी यूरोप के जो देश हैं, उन्होंने अपने हितों के खिलाफ जाकर रूस पर प्रतिबंध लगाया। नतीजतन एक तरफ जहां उनकी आर्थिक स्थिति कमजोर हुई, वहीं दूसरी तरफ रूस से उन्हें जो गैस वगैरह मिल रही थी, वह बंद हो गई। हालांकि भारत ने रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदकर यूरोप को तेल की आपूर्ति की, जिससे हमारे रिश्तों में प्रगाढ़ता बढ़ी है। फिर भी इन नए घटनाक्रमों को ध्यान में रखते हुए हमें अपने राष्ट्रीय हितों पर ध्यान देना चाहिए। मौजूदा परिस्थिति में यूरोप की अर्थव्यवस्था कमजोर हो चुकी है। पश्चिम एशिया से बहुत से शरणार्थी वहां पहुंच गए हैं, जिससे वहां अस्थिरता पैदा हो रही है। आपसी मतभेद, आर्थिक समस्या के अलावा जो यूरोपीय देश नाटो में शामिल हैं, उनके लिए अमेरिकी निर्देश को नजर अंदाज करना मुश्किल होता है। फ्रांस के साथ हमारे द्विपक्षीय रिश्ते बहुत अच्छे हैं और उनके साथ आर्थिक, तकनीकी और व्यापारिक सहयोग बढ़ाए जा सकते हैं, लेकिन कई अन्य यूरोपीय देशों के साथ यह सब आसानी से नहीं किया जा सकता है। यूरोपीय संघ के साथ मुक्त-व्यापार समझौते को लेकर हमारी बातचीत भी चल रही है। लेकिन उसमें दिक्कत यह है कि वे हमारे विशाल बाजार का लाभ उठाना चाहते हैं, लेकिन उनके उत्पाद ऐसे हैं, जिन्हें भारत में विलासिता संबंधी उपभोक्ता वस्तु कहा जाएगा, जैसे व्हिस्की, वाइन आदि। भारत के आम जन ज्यादातर पारंपरिक हैं, जो ऐसे उत्पादों का ज्यादा उपभोग नहीं करते हैं। कह सकते हैं कि सांस्कृतिक अंतर भी इसमें बाधा बन रहा है। इसके अलावा, हमारे समाज में उपभोक्तावाद बढ़ने के बावजूद बचत करने पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है। यूरोप के साथ हमारा व्यापार स्वेज नहर के रास्ते होता रहा है। लेकिन आजकल पश्चिम एशिया में अस्थिरता के चलते दक्षिण अफ्रीका के रास्ते सामान आ रहा है, जिसमें समय भी अधिक लगता है और लागत भी बढ़ जाती है। इससे यूरोपीय संघ और भारत के व्यापारिक रिश्तों को धक्का लगा है। जहां तक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की बात है, तो भारत ने इस दिशा में कोशिश की थी, लेकिन अमेरिका के साथ समझौते के कारण यूरोप ने अमेरिका की मंजूरी के बिना अत्याधुनिक उन्नत टेक्नोलॉजी देने में असमर्थता जताई। हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि कारगिल युद्ध के समय उन्होंने जीपीएस सिस्टम बंद कर दिया था, इसलिए हमें पता नहीं चल पा रहा था कि पाकिस्तानी कहां-कहां बैठे हुए हैं। यूरोप के साथ साइबर सुरक्षा और तकनीकी सहयोग की बात करते हुए हमें अपने पुराने अनुभवों को भी ध्यान में रखना चाहिए। हमारे देश में अभी चुनाव होने वाले हैं और चुनावों में सभी दल मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए धर्म, जाति आदि से संबंधित भावनाओं को हवा देते और गलत सूचनाएं फैलाते हैं, जो ऑनलाइन गतिविधियों से और बढ़ सकती है। भारत कभी नहीं चाहेगा कि हमारे समाज में मतभेद बढ़े। कुल मिलाकर, यूरोप के साथ हमें संबंध निश्चित रूप से बढ़ाने चाहिए, लेकिन वहां की मौजूदा स्थिति और अपने अतीत के अनुभव को ध्यान में रखते हुए ही हमें सावधानीपूर्वक आगे बढ़ना चाहिए। हमारी और उनकी प्राथमिकताएं अलग-अलग हैं, इसलिए अपने राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखते हुए ही आगे बढ़ना महत्वपूर्ण होगा।

आधी आबादीः सेना में आगे आ रही हैं महिलाएं, यह चलन दे सकता है देश की सुरक्षा प्रणाली को मजबूती

भारतीय संस्कृति में युगों से महिलाएं साहस और शक्ति का प्रतीक मानी जाती रही हैं। पर दुर्भाग्य से दसवीं सदी से लेकर 19वीं सदी तक गुलामी के समय विदेशी शासकों ने भारतीय नारियों पर अत्याचार करने शुरू किए, जिसके कारण वे घरों में पर्दे में रहने के लिए मजबूर हुईं। लेकिन आजादी के बाद भारतीय महिलाओं को अच्छी शिक्षा और विकास के सारे अवसर मिले, जिससे उन्होंने देश की आंतरिक सुरक्षा, प्रशासन, शिक्षा तथा अन्य क्षेत्रों में पुरुषों के बराबर योगदान देना शुरू किया। आज हर क्षेत्र में महिलाएं पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर देश की उन्नति में अपना योगदान दे रही हैं। लेकिन आजादी के बाद भी काफी समय तक सैन्य सेवा का अवसर पुरुषों को ही मिलता रहा। वर्ष 1992 में भारत सरकार ने सेना में महिलाओं को अफसर बनाने के लिए स्वीकृति प्रदान कर दी और इसके बाद थल सेना में अल्पकालिक सेवा आयोग स्कीम द्वारा महिलाओं को दस वर्ष की आवश्यक सेवा के बाद चार साल की अतिरिक्त सेवा का अवसर प्रदान किया जाता है। दस साल की सेवा के बाद इनमें चयनित महिला अफसरों को नियमित पूर्णकालीन सेवा का अवसर भी मिलता है। वर्ष 1992 से लेकर 2023 तक 6,993 महिला अफसर तथा 100 महिलाएं सैनिक के रूप में अब तक अपनी सेवाएं दे चुकी हैं। अब अग्निवीर योजना के तहत अकेले नौसेना में एक हजार अग्निवीर महिलाओं की भर्ती की जा रही है। सैन्य सेवा में महिलाओं के प्रदर्शन और लगन को देखते हुए 2023 से उन्हें नियमित स्थायी कमीशन स्कीम के तहत भारतीय रक्षा अकादमी खड़कवासला पुणे में भर्ती किया गया, जहां से वे पुरुषों की तरह ट्रेनिंग पूरी करके भारतीय रक्षा अकादमी देहरादून से पूरी सेवा के लिए अफसर बनेंगी। शुरू में इन्हें थल सेना में लिया जाता था, परंतु कुछ समय बाद ही महिलाओं को वायुसेना तथा नौसेना में भी सेवा का अवसर मिलने लगा है! थल सेना में इन्फेंट्री तथा आर्म्ड कोर (टैंक कोर) दुश्मन से आमने-सामने का युद्ध लड़ती है और युद्ध में कभी-कभी दुश्मन सैनिकों के साथ द्वंद्व युद्ध और हाथापाई तक की नौबत आ जाती है। उल्लेखनीय है कि 1971 के युद्ध में फाजिल्का की सीमा पर भारत के मेजर नारायण सिंह ने पाकिस्तान के मेजर शरीफ के साथ कुश्ती लड़ी थी और कुछ वर्ष पहले 2019 में गलवान में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच लाठी-डंडों से युद्ध लड़ा गया था। इसे देखते हुए इन्फेंट्री और आर्म्ड कोर के अलावा सेना के अन्य 11 विभागों- इंजीनियरिंग, सिग्नल, आर्मी सर्विस कोर, आर्मी ऑर्डिनेंस कोर इत्यादि में महिलाओं को अफसर के रूप में सेवा के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। महिलाओं को सैनिक के रूप में आर्मी सर्विस कोर, आर्मी ऑर्डिनेंस तथा मिलिट्री पुलिस इत्यादि में भर्ती हो रही है। वहीं पर वायु और नौसेना की सेवा में दुश्मन से सीधा आमना-सामना न होने कारण इन्हें बिना लैंगिक भेदभाव के हर विभाग में सेवा का पूरा अवसर प्रदान किया जाता है। अब तक थलसेना में 120 महिलाओं को कर्नल के पद के लिए चयनित किया गया है। यह देश के लिए गर्व का विषय है कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा विभिन्न देशों में भेजे गए भारत के शांति दलों में 20 फीसदी महिला अधिकारी हैं। सेना में महिलाओं की कॅरिअर प्लानिंग के लिए भारत सरकार ने उच्चतम न्यायालय को सूचित किया है कि योजनाबद्ध तरीके से महिला सैनिक अधिकारियों के कॅरिअर की प्रगति पर एक विस्तृत नीति बनाई जा रही है, जिसे 31 मार्च तक तैयार कर लिया जाएगा। इससे महिलाओं के लिए सेना की यूनिटों में कमान संभालने के अवसरों तथा कॅरिअर के लिए विस्तृत प्रणाली उपलब्ध होगी। पिछले साल वृंदावन के वत्सल ग्राम में साध्वी ऋतंभरा ने देश का पहला महिला सैनिक स्कूल स्थापित किया है, जिसका उद्घाटन भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया था। लड़कों के लिए देश के हर राज्य में सैनिक स्कूल हैं, परंतु लड़कियों को सेना में प्रवेश के लिए तैयार करने वाला वृंदावन में यह पहला स्कूल खोला गया है। ज्यादा से ज्यादा लड़कियों को सैनिक सेवा के लिए एनसीसी तथा सैनिक और मिलिट्री स्कूलों द्वारा तैयार किए जाने से देश की प्रथम और द्वितीय श्रेणी की सुरक्षा प्रणाली भी मजबूत की जा सकती है।

भगवान शिव और श्रीकृष्ण के रूप में सजे बाबा महाकाल, विजेंदर सिंह ने किए दर्शन

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज फाल्गुन कर्ष्णि पक्ष की एकादशी पर बुधवार तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पंडे पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित भगवान की प्रतिमाओं का पूजन कर भगवान महाकाल का दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से जलाभिषेक किया। प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम जल अर्पित कर कपूर आरती की गई। बाबा महाकाल को रजत का मुकुट और रुद्राक्ष व पुष्पों की माला धारण करवाई गई। आज के श्रृंगार की विशेष बात यह रही कि एकादशी की भस्मआरती में बाबा महाकाल के दरबार में शैव और वैष्णव संप्रदाय का समागम दिखाई दिया। बाबा महाकाल का शिव और श्रीकृष्ण के रूप श्रृंगार किया गया। इसके बाद ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्म रमाई गई। भस्म आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया। ओलंपिक में पदक जीतने वाले पहले भारतीय मुक्केबाज विजेंदर सिंह ने अपने उज्जैन प्रवास के दौरान श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुचकर बाबा महाकाल के दर्शन किए।

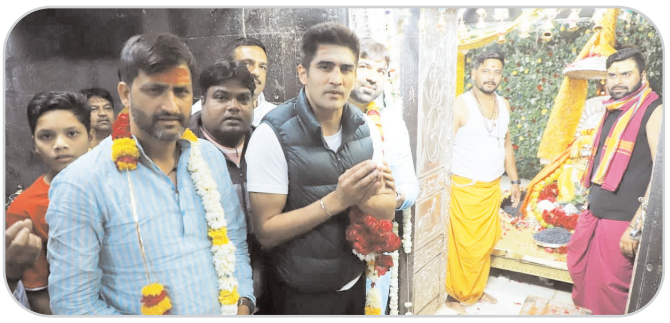

तीन दोस्तों की गोवा यात्रा पर बनी फिल्म 'मडगांव एक्सप्रेस' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई मडगांव एक्सप्रेस का ट्रेलर एक शानदार इवेंट में प्रस्तुत किया गया है, जिसमें फिल्म की कास्ट और मेकर्स शामिल थे। रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर की एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी इस फिल्म को कुणाल खेमू ने निर्देशित किया है। ट्रेलर में एक भूली-बिसरी यारी, हंसने-मुस्कराने और जंगल में सफर से भरपूर यात्रा का वादा किया गया है। फिल्म के मेकर्स ने मजेदार वीडियो शेयर करते हुए फिल्म की कास्ट को इंट्रोड्यूस किया है, जिसकी वजह से उसके आस-पास मौजूद उत्सुकता ऊंचाई पर है। वीडियो देख आप समझ जायेंगे कि यह एक मजेदार और कॉमेडी से भरपूर रोलरकोस्टर राइड है। फुकरे, रॉक ऑन, और डॉन जैसे सुपरहिट फिल्मों के पीछे के मास्टरमाइंड के साथ डायरेक्शन ने डेब्यू कर रहे कुणाल खेमू के निर्देशन में बनी मडगांव एक्सप्रेस बचपन के तीन दोस्तों की यात्रा को दिखाती है, जो गोवा की तरफ सफर पर निकलते हैं, जो पूरा ऑफ-ट्रैक हो जाता है।फिल्म में नोरा फतेही, उपेन्द्र लिमये, और छाया कदम हैं, जो इस पागलपन की अनोखी दुनिया में और भी जादू और हंसी का तड़का डाल रहे हैं। 'बचपन के सपनेज लग गए अपने' टैगलाइन के साथ यह फिल्म 22 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार है। फिल्म में फिल्म दिव्येंदु, प्रतीक गांधी और अविनाश तिवारी को नए अवतार में दिखाया गया है।

टीवी नायिकाओं ने 'इन्वेस्ट इन वूमन एक्सीलरेट प्रोग्रेस' पर रखी अपनी राय

मुंबई इस साल के इंटरनेशनल वूमन्स डे की थीम है 'इन्वेस्ट इन वूमन: एक्सीलरेट प्रोग्रेस' । यह थीम महिलाओं और लड़कियों के आर्थिक सशक्तिकरण के महत्व पर जोर देती है, क्योंकि प्रगति में तेजी लाने के लिये ऐसा करना महत्वपूर्ण है। एण्डटीवी की नायिकाओं 'अटल' की नेहा जोशी (कृष्णा देवी वाजपेयी),'हप्पू की उलटन पलटन' की गीतांजलि मिश्रा (राजेश) और हिमानी शिवपुरी (कटोरी अम्मा) और 'भाबीजी घर पर हैं' की शुभांगी अत्रे (अंगूरी भाबी) और विदिशा श्रीवास्तव (अनीता भाबी) ने भी इस पर अपने विचार रखे हैं। उन्होंने बताया कि लैंगिक समानता और महिलाओं की सेहत किस तरह से समृद्ध अर्थव्यवस्था और हमारे ग्रह को स्वस्थ रखने के लिये जरूरी है। एण्डटीवी के 'अटल' में कृष्णा देवी वाजपेयी की भूमिका निभा रहीं नेहा जोशी ने कहा, ''महिलाओं के अधिकारों को महत्वपूर्ण निवेश के तौर पर पहचान देना सबसे ज्यादा मायने रखता है। इससे बदलाव लाने वाले समाधान मिल सकते हैं, जिनसे महिलाओं को उनके अधिकारों के बारे में पता चलेगा, वे गरीबी के चक्र से मुक्त होंगी और सचमुच में तरक्की करेंगी। महिलाओं में निवेश करना समावेशी समाज बनाने का आधार है और महिलाओं की तरक्की से सभी को फायदा होता है। प्रगति तो अच्छी हुई है, लेकिन महिलाओं को पेशेवर तौर पर अनेक चुनौतियों का सामना अब भी करना पड़ता है। इनमें लैंगिक भेदभाव, सैलरी में अंतर और नेतृत्व की भूमिकाओं में कमी शामिल हैं। ये सभी चीजें आज भी मौजूद हैं और इनसे महिलाओं की क्षमता का पूरी तरह लाभ उठने में बाधा आती है। इसलिये, उन बाधाओं को तोड़ने का समय अब आ चुका है। ऐसे माहौल बनने चाहिये, जो महिलाओं को अपनी पूरी क्षमता को पाने के लिये सशक्त करें।'' एण्डटीवी के 'हप्पू की उलटन पलटन' में राजेश की भूमिका निभा रहीं गीतांजलि मिश्रा ने कहा, ''मुझे ऐसा समाज बनाने पर मजबूती से यकीन है, जहाँ महिलाओं को पुरुषों के बराबर जिम्मेदारी और अवसर मिलें। समाज अक्सर महिलाओं को कमजोर समझता है, लेकिन मैं आश्वस्त कर सकती हूँ कि महिलाएं भगवान की सबसे शक्तिशाली रचनाओं में शामिल हैं। अपनी क्षमता का अहसास रखने वाली एक महिला अपनी ताकत और निडरता से दुनिया को हिला सकती है। मेरी माँ मेरे लिये इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। मेरे पिता के देहांत के बाद वह सिंगल मदर हो गई। लेकिन उन्होंने इतनी मजबूती से जिम्मेदारियों को निभाया कि मुझे कभी कोई कमी नहीं लगी। उनके अटूट सहयोग ने मुझे मजबूती दी। मैं महिलाओं में निवेश करने और उन्हें समान अवसर देने की पक्की हिमायत करती हूँ, क्योंकि इससे समाज की प्रगति तेजी से होगी।'' एण्डटीवी के 'भाबीजी घर पर हैं' में अनीता भाबी की भूमिका निभा रहीं विदिशा श्रीवास्तव ने कहा, ''महिलाओं की विभिन्न भूमिकाएं स्वीकार करने के मामले में दुनिया एक बड़े बदलाव से गुजर रही है। महिलाओं को अब कमाऊ, पेशेवर और आजाद ख्याल रखने वाली माना जा रहा है। महिलाओं ने हर पहलू में खुद को पुरुषों के बराबर साबित भी किया है। इस साल की थीम ''इन्वेस्ट इन वूमन: एक्सीलरेट प्रोग्रेस' काफी मायने रखता है। और ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस पर चर्चा करनी चाहिये, ताकि ऐसे समाज का निर्माण हो, जहाँ पुरुषों और महिलाओं को बराबर सम्मान एवं अवसर दिये जाएं। समानता को अपनाने का आशय विविधता और समावेशन को अपनाने से है। इस प्रक्रिया के द्वारा हम समानता ला सकते हैं। इसलिये, वूमन्स डे पर मैं उन सारी ''सुपरवूमन'' का सम्मान करती हूँ, जिन्होंने मुश्किल हालात के बावजूद तरक्की की है। हैप्पी वूमन्स डे!''

दीपिका के बाद परिणीति चोपड़ा से भी 'गुड न्यूज' देने की तैयारी में

मुंबई बी-टाउन से एक के बाद एक अच्छी खबरें सुनने को मिल रही हैं। एक्ट्रेस यामी गौतम के प्रेग्नेंट होने की बात सामने आने के बाद ऋचा चड्ढा और दीपिका पादुकोण ने भी मां बनने की खुशखबरी अपने फैंस के साथ शेयर कर चुकी हैं। इसके बाद चर्चा शुरू हो गई है कि एक और एक्ट्रेस मां बनने वाली हैं। हाल ही में शादी करने वाली एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा के प्रेग्नेंट होने की खबर है। फिलहाल परिणीति चोपड़ा का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसे देखने के बाद फैंस को लगने लगा है कि वह प्रेग्नेंट हैं। हाल ही में परिणीति चोपड़ा को एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। इस बार वह बेहद कैजुअल लुक में नजर आईं। एयरपोर्ट लुक के लिए एक्ट्रेस ने डीप नेक लूज ब्लैक मैक्सी ड्रेस पहनी थी। इसके ऊपर उन्होंने डेनिम जैकेट पहनी थी और स्नीकर्स और गॉगल्स के साथ अपने लुक को पूरा किया था। खुले बालों में वह बेहद खूबसूरत लग रही थीं। उनकी ड्रेस को देखकर लोग यह कयास लगाने लगे कि परिणीति ने अपने बेबी बंप को छुपाने के लिए इतनी ढीली ड्रेस पहनी है। कुछ फैंस का कहना है कि परिणीति का वजन बढ़ गया है, हो सकता है कि वह शादी के तुरंत बाद खुशखबरी दें। एक्ट्रेस का यही लुक उनकी प्रेग्नेंसी की अफवाह फैलने की वजह बन गया। इस वायरल वीडियो पर अब कई लोग कमेंट कर रहे हैं, क्या परिणीति प्रेग्नेंट हैं? ऐसा प्रश्न पूछा गया है। ड्रेस के साथ उनके वॉक ने भी लोगों का ध्यान खींचा। वह एयरपोर्ट पर स्लो मोशन में चलती नजर आईं। इस दौरान एक्ट्रेस के चेहरे पर बड़ी सी मुस्कान भी देखने को मिली। पैपराजी को देखकर वह काफी खुश नजर आईं लेकिन अब उनका ये वीडियो काफी पॉपुलर हो गया है। परिणीति के प्रेग्नेंट होने की अफवाह हवा की तरह फैल गई है। हालांकि, अभी तक इस खबर की पुष्टि नहीं हुई है कि परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा माता-पिता बनने वाले हैं। कपल ने अफवाहों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। उल्लेखनीय है कि परिणीति चोपड़ा ने वर्ष 2023 में अपने बॉयफ्रेंड राघव चड्ढा से शादी की। इन दोनों की शादी फैंस के बीच काफी चर्चा में रही थी। अब शादी के कुछ ही महीनों बाद ऐसी खबरें आ रही हैं कि एक्ट्रेस प्रेग्नेंट हैं। फिलहाल परिणीति अपनी प्रोफेशनल लाइफ में भी काफी बिजी हैं। एक्टिंग के बाद उन्होंने सिंगिंग में भी अपनी किस्मत आजमाई और कई लाइव कॉन्सर्ट किए हैं।

रणवीर सिंह की फिल्म में काम करने के लिए कियारा आडवाणी ले रही हैं मोटी फीस, जानें कितना मिल रहा पैसा

मुंबई । डॉन 3 को लेकर फैंस में काफी एक्साइटमेंट है। इस बार रणवीर सिंह डॉन बनकर आ रहे हैं और कियारा आडवाणी उनके साथ लीड रोल में हैं। कियारा के फिल्म से जुड़ने से दर्शक काफी खुश हैं। बता दें कि रणवीर इसी बीच अब एक्ट्रेस की फीस को लेकर बड़ा अपडेट आया है। कियारा इस फिल्म के लिए अच्छी खासी फीस ले रही हैं। यह कियारा की अब तक की सबसे ज्यादा फीस है।

कियारा की फीस बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक प्रोड्यूसर्स कियारा को ज्यादा से ज्यादा फीस देने के लिए तैयार हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक कियारा को उनके किरदार के लिए 13 करोड़ रुपये फीस दिए जा रहे हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि यह कियारा की अब तक की सबसे ज्यादा फीस है। यह कियारा की एक्शन फिल्म है। इतना ही नहीं कहा जा रहा है कि वह अपनी दूसरी फिल्म वॉर 2 से भी ज्यादा फीस ले रही हैं जिसमें जूनियर एनटीआर और ऋतिक रोशन लीड रोल में हैं।

रणवीर ने कियारा को चुना रिपोर्ट तो यह भी है कि डॉन 3 के लिए मेकर्स ने 2 एक्ट्रेसेस शॉर्टलिस्ट की थीं। हालांकि रणवीर सिंह ने कियारा का नाम सजेस्ट किया। रणवीर का मानना है कि कियारा के साथ उनकी ऑफस्क्रीन केमिस्ट्री उनकी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री ज्यादा अच्छी कर देगी। डॉन 3 की शूटिंग अगस्त में शुरू होगी और 2025 में रिलीज होगी। इस फिल्म के अलावा कियारा गेम चेंजर में नजर आएंगी। फिल्म में एक्शन और पॉलिटिक्स ड्रामा नजर आएगा और यह 3 भाषा तेलुगु, तमिल और हिंदी में रिलीज होगी।। यह पैन इंडिया फिल्म है। अभी इसकी रिलीज डेट की अनाउंसमेंट का इंतजार है।

प्री-वेडिंग सेरेमनी में शाहरुख खान ने लगाए 'जय श्री राम' के नारे

मुंबई मशहूर बिजनेसमैन मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी की प्री-वेडिंग सेरेमनी के कार्यक्रम गुजरात के जामनगर में हो रहे हैं। प्री-वेडिंग सेरेमनी में बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक के तमाम कलाकार शामिल हुए हैं। प्री-वेडिंग के पहले दिन के बाद दूसरे दिन भी इस सेरेमनी में एक्टर्स ने खूब मस्ती की। अनंत-राधिका ने अपने भाषण से लोगों का दिल जीत लिया, वहीं शाहरुख खान ने भी इस समारोह में जय श्री राम के नारे लगाये।

प्री-वेडिंग सेरेमनी में सलमान खान, आमिर खान, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण, कियारा आडवाणी समेत कई सितारे शामिल हुए। इस कार्यक्रम में पॉप गायिका रिहाना भी शामिल हुईं, जिन्होंने अपने गीतों से सभी मेहमानों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान बॉलीवुड सिंगर दिलजीत दोसांझ ने भी हिट सॉन्ग तेरा नई मैं लवर पर परफॉर्म किया।शाहरुख ने 'जय श्री राम' से की शुरुआत

इस बीच शाहरुख खान ने अंबानी परिवार का खूबसूरत परिचय दिया। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत 'जय श्री राम' के नारे से की। इस दौरान किंग शाहरुख खान ने कहा, 'आप सभी ने डांस परफॉर्मेंस देखी। सभी भाइयों ने नृत्य किया, बहनों ने नृत्य कियाज लेकिन इस समारोह की बात करें तो प्रार्थना और आशीर्वाद के बिना यह समारोह आगे नहीं बढ़ सकता। तो आइए मैं आप सभी को अंबानी परिवार की पावरफप गर्ल्स से मिलवाता हूं, जो परिवार की त्रिमूर्ति हैं- सरस्वती, लक्ष्मी और पार्वती।' इसके बाद शाहरुख खान ने कोकिलाबेन अंबानी, पूर्णिमा दलाल और देवयानी खिमजी का नाम लिया।

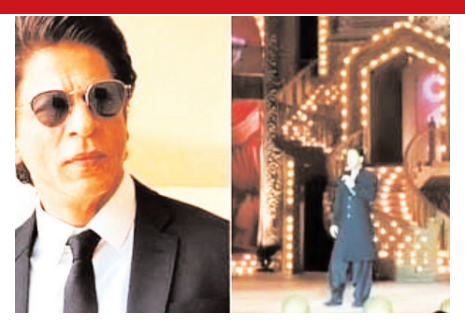

रविवार को अनंत अंबानी-राधिका मर्चेंट के प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन का तीसरा और आखिरी दिन है। टस्कर ट्रेल्स और सिग्नेचर कार्यक्रम होंगे। टस्कर ट्रेल्स एक आउटडोर कार्यक्रम होगा, जहां मेहमानों को जामनगर की सुंदरता दिखाई जाएगी तो वहीं दूसरे इवेंट में सभी भारतीय परिधान में नजर आएंगे।

अमेज़न ऑरिजिनल मूवी 'ऐ वतन मेरे वतन' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई प्राइम वीडियो ने आज अपनी आने वाली अमेज़न ऑरिजिनल मूवी 'ऐ वतन मेरे वतन' का ट्रेलर रिलीज किया। सच्ची घटनाओं से प्रेरित यह फिल्म 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन पर आधारित है, जो भारत की आज़ादी की लड़ाई के एक बड़े अहम अध्याय की कहानी बयां करती है। धर्माटिक एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन की देशभक्ति की भावना से भरी इस थ्रिलर-ड्रामा फिल्म को करण जौहर, अपूर्व मेहता और सोमेन मिश्रा ने प्रोड्यूस किया है। कन्नन अय्यर के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म की कहानी अय्यर और दरब फ़ारूक़ी ने लिखी है। इस फिल्म में सारा अली ख़ान ने मुख्य भूमिका निभाई है, जबकि इमरान हाशमी के स्पेशल गेस्ट अपीयरेंस के साथ सचिन खेडेकर, अभय वर्मा, स्पर्श श्रीवास्तव, एलेक्स ओ नील और आनंद तिवारी ने अहम किरदार निभाए हैं। 'ऐ वतन मेरे वतन' 21 मार्च को प्राइम वीडियो पर हिंदी और तमिल, तेलुगु, मलयालम एवं कन्नड़ में डबिंग के साथ प्रीमियर के लिए तैयार है।पहले फ्रेम से ही इस फिल्म का ट्रेलर दर्शकों को आज़ादी से पहले के दौर में वापस ले जाता है, और हमें बंबई की 22 साल की एक कॉलेज-गर्ल, उषा (जिसका किरदार सारा अली ख़ान ने निभाया है) नजर आती हैं, जो भारत को आज़ादी दिलाने में मदद करने की अपनी कोशिश में गुपचुप तरीके से एक रेडियो स्टेशन चलाती है और यही रेडियो स्टेशन भारत छोड़ो आंदोलन की आग को हवा देने वाला सबसे बड़ा जरिया बन जाता है। फिल्म के ट्रेलर में उनके किरदार के माध्यम से भारत की आज़ादी की लड़ाई के दौरान देश के युवाओं की दिलेरी, उनके बलिदान और कठिनाइयों का सामना करने की उनकी काबिलियत को उजागर किया गया है।इस मौके पर अभिनेत्री सारा अली ख़ान ने कहा, 'ऐ वतन मेरे वतन' में इस तरह का दमदार किरदार निभाना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है, जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। मेरी खुशकिस्मती है कि मुझे यह किरदार निभाने का मौका मिला, जिसके लिए मैंने चीजों को उनके नजरिए से देखने के साथ-साथ यह समझने की कोशिश की कि, कौन सी बात उन्हें प्रेरित करती है और उनका हौसला बढ़ाती है। यह फ़िल्म अनगिनत गुमनाम नायकों के बलिदान की याद दिलाती है, साथ ही यह इंसान के जज्बातों और उनके साहस की मिसाल पेश करती है। मैं डायरेक्टर कन्नन अय्यर, धर्माटिक एंटरटेनमेंट की टीम और प्राइम वीडियो की शुक्रगुजार हूं, जिन्होंने मुझे इस सिनेमाई सफर का हिस्सा बनने का मौका दिया। 'ऐ वतन मेरे वतन' हमारे देश, खासकर युवाओं के दिल में बसे जज्बातों की कहानी है और अब तो मुझे 21 मार्च का बेसब्री से इंतजार है जब यह कहानी दुनिया भर के दर्शकों तक पहुंचेगी।

डॉन 3 में काम करने के लिए कियारा आडवाणी ले रही हैं मोटी फीस

मुंबई । डॉन 3 को लेकर फैंस में काफी एक्साइटमेंट है। इस बार रणवीर सिंह डॉन बनकर आ रहे हैं और कियारा आडवाणी) उनके साथ लीड रोल में हैं। कियारा के फिल्म से जुड़ने से दर्शक काफी खुश हैं। बता दें कि रणवीर इसी बीच अब एक्ट्रेस की फीस को लेकर बड़ा अपडेट आया है। कियारा इस फिल्म के लिए अच्छी खासी फीस ले रही हैं। यह कियारा की अब तक की सबसे ज्यादा फीस है।

कियारा की फीस

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक प्रोड्यूसर्स कियारा को ज्यादा से ज्यादा फीस देने के लिए तैयार हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक कियारा को उनके किरदार के लिए 13 करोड़ रुपये फीस दिए जा रहे हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि यह कियारा की अब तक की सबसे ज्यादा फीस है। यह कियारा की एक्शन फिल्म है। इतना ही नहीं कहा जा रहा है कि वह अपनी दूसरी फिल्म वॉर 2 से भी ज्यादा फीस ले रही हैं जिसमें जूनियर एनटीआर और ऋतिक रोशन लीड रोल में हैं।

रणवीर ने कियारा को चुना

रिपोर्ट तो यह भी है कि डॉन 3 के लिए मेकर्स ने 2 एक्ट्रेसेस शॉर्टलिस्ट की थीं। हालांकि रणवीर सिंह ने कियारा का नाम सजेस्ट किया। रणवीर का मानना है कि कियारा के साथ उनकी ऑफस्क्रीन केमिस्ट्री उनकी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री ज्यादा अच्छी कर देगी।

डॉन 3 की शूटिंग अगस्त में शुरू होगी और 2025 में रिलीज होगी। इस फिल्म के अलावा कियारा गेम चेंजर में नजर आएंगी। फिल्म में एक्शन और पॉलिटिक्स ड्रामा नजर आएगा और यह 3 भाषा तेलुगु, तमिल और हिंदी में रिलीज होगी।। यह पैन इंडिया फिल्म है। अभी इसकी रिलीज डेट की अनाउंसमेंट का इंतजार है।

चालू वित्त वर्ष के अंत में देश की अर्थव्यवस्था चार लाख करोड़ डॉलर पार करने का एसबीआई ने लगाया अनुमान

प्रति व्यक्ति जीडीपी पहली बार दो लाख रुपए के पार

नई दिल्ली। सभी नागरिकों के लिए जीवन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और प्रत्यक्ष लाभ ट्रांसफर यानी डीबीटी के जरिये सही लोगों तक रकम पहुंचने से पहली बार प्रति व्यक्ति जीडीपी दो लाख रुपये पार हो गई है। एसबीआई रिपोर्ट के अनुसार, जीडीपी की मौजूदा कीमतों पर चालू वित्त वर्ष में यह आय 2.11 लाख रुपये हो गई है। एक दशक में सालाना आधार पर 8.9 फीसदी चक्रवृद्धि दर से बढ़त हुई है। वित्त वर्ष 2011-12 में यह 72,000 रुपये थी।

रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2022-21 में सकल बचत दर 30.2 फीसदी रही है। चालू वित्त वर्ष में 32.3 फीसदी तक जाने की उम्मीद है। यह 2013-14 के बाद सबसे ज्यादा है। घरेलू वित्तीय बचत 2020-21 में 11 फीसदी से मामूली बढ़कर 2022-23 में 15.4 फीसदी रही है। भौतिक संपत्तियों में बचत की दर इसी दौरान 10.8 फीसदी से बढ़कर 12.9 फीसदी पर पहुंच गई है। इसी दौरान निवेश 28.2 फीसदी से बढ़कर 33.7ब रहने का अनुमान है। एसबीआई का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष के अंत में देश की अर्थव्यवस्था चार लाख करोड़ डॉलर को पार कर जाएगी। वित्त वर्ष 2027 में पांच लाख करोड़ डॉलर के साथ तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था होगी। उस समय 31,429 अरब डॉलर के साथ अमेरिका पहले क्रम पर, 22,291 अरब डॉलर के साथ चीन दूसरे और 5,427 अरब डॉलर के साथ भारत तीसरे क्रम पर होगा। वैश्विक जीडीपी में अमेरिका का हिस्सा 24.7 फीसदी, चीन का 17.5 फीसदी और भारत का 4.3 फीसदी हिस्सा होगा।

जी-20 में सबसे ज्यादा रहेगी विकास दर

रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कहा है कि इस साल जनवरी से दिसंबर के बीच देश की विकास दर 6.8 फीसदी रहेगी। पहले यह अनुमान 6.1 फीसदी था। यह जी-20 में सबसे ज्यादा विकास दर होगी।

आचार संहिता लागू होने से पहले घोषणा कर सकती है सरकार

बैंक कर्मचारियों के लिए हफ्ते में पांच दिन काम का नियम हो सकता है लागू

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग बहुत जल्द आम चुनाव की तारीखों की घोषणा कर सकता है। इससे पहले सरकारी बैंक कर्मचारियों को अच्छी खबर मिल सकती है। मोदी सरकार लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आचार संहिता लागू होने से पहले सरकारी बैंक कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दे सकती है। हफ्ते में पांच कामकाजी दिन को मंजूरी मिल सकती है। वहीं, दिसंबर में बैंक यूनियनों के बीच एक समझौता पर हस्ताक्षर होने के बाद इन कर्मचारियों के वेतन में भी 17 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है। बैंक यूनियनों ने सरकारी, आरबीआई कार्यालयों और एलआईसी की तरह ही 180 दिनों के भीतर हफ्ते में पांच कामकाजी दिन लागू करने की अपील की थी। एक अधिकारी ने कहा, हफ्ते में पांच दिन पर जल्द फैसला हो सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार सप्ताह में पांच कार्य दिवस के प्रस्ताव का समर्थन करती है। इसकी घोषणा के लिए उचित समय का इंतजार था। शायद अब समय आ गया है। फिलहाल सरकारी और निजी बैंकों में महीने के पहले और तीसरे शनिवार को काम होता है। अगर नया नियम लागू होता है तो रविवार के साथ हर शनिवार को बैंकों में छुट्टी रहेगी। केंद्र सरकार ने वर्ष 2015 में एक अधिसूचना के जरिये महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया था। तब से सभी बैंक दूसरे और चौथे शनिवार को छुट्टी की व्यवस्था का पालन करते हैं। वर्तमान में बैंकिंग क्षेत्र से 15 लाख से अधिक कर्मचारी जुड़े हैं। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में लगभग 95,000 कर्मचारी हैं।

पीएम ली कियांग ये बोले- चीन ने 2024 के लिए बरकरार रखा पांच प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य

नई दिल्ली। आर्थिक मंदी और कमजोर पड़ती कारोबारी धारणा से जूझ रहे चीन ने साल 2024 में पांच प्रतिशत की मामूली आर्थिक वृद्धि का लक्ष्य तय किया है। इसके साथ ही पड़ोसी देश ने बढ़ती बेरोजगारी पर चिंताओं के बीच 1.2 करोड़ नौकरियां पैदा करने का वादा भी किया है। चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने देश की रबर-स्टैम्प संसद नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) के उद्घाटन सत्र में पेश अपनी रिपोर्ट में उम्मीद जताई कि इस साल शहरी क्षेत्रों में 1.2 करोड़ से अधिक नौकरियां पैदा होंगी। इस साल शहरी बेरोजगारी दर लगभग 5.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। करीब सप्ताह भर चलने वाले एनपीसी के वार्षिक सत्र में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के अलावा देश भर से 2,000 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की वृद्धि को मजबूत करने के लिए जरूरी पहलों पर विचार-विमर्श किया गया। चीन ने 2024 के लिए एक सक्रिय राजकोषीय नीति और एक विवेकपूर्ण मौद्रिक नीति जारी रखने की बात कही, जिसमें सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के मुकाबले घाटे को तीन प्रतिशत पर रखा जाएगा। ली ने अपनी 39 पेज की कार्य रिपोर्ट में कहा कि सरकारी घाटा 2023 के बजट आंकड़े से 180 अरब युआन (26 अरब अमेरिकी डॉलर) बढ़ जाएगा। पिछले साल चीन ने 5.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की थी।

वाणिज्य मंत्रालय ने जारी की अधिसूचना

यूएई और बांग्लादेश को 64400 टन प्याज के निर्यात को मंजूरी

नई दिल्ली। सरकार ने नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट्स लिमिटेड (एनसीईएल) के माध्यम से संयुक्त अरब अमीरात और बांग्लादेश को 64,400 टन प्याज निर्यात करने की अनुमति दी है। वाणिज्य मंत्रालय की ओर से इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है। बांग्लादेश को 50,000 टन प्याज के निर्यात की अनुमति है, जबकि संयुक्त अरब अमीरात को 14,400 टन प्याज के निर्यात की अनुमति दी गई है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा, एनसीईएल के माध्यम से संयुक्त अरब अमीरात को तिमाही आधार पर 3,600 टन प्याज का निर्यात अधिसूचित किया जाता है।डीजीएफटी वाणिज्य मंत्रालय की एक शाखा है, जो आयात और निर्यात से संबंधित मानदंडों का निर्धारण करती है। बांग्लादेश को निर्यात के बारे में रिपोर्ट में कहा गया है कि एनसीईएल उपभोक्ता मामलों के विभाग के साथ विचार-विमर्श के बाद पड़ोसी देश के साथ निर्यात के तौर-तरीकों पर काम करेगी। हालांकि प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध है, लेकिन सरकार मित्र देशों को निर्धारित मात्रा में निर्यात की अनुमति देती है। सरकार की ओर से अन्य देशों को उनके अनुरोध के आधार निर्यात की अनुमति दी जाती है। पिछले साल आठ दिसंबर को सरकार ने प्याज की घरेलू उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों को अंकुश में रखने के उद्देश्य से इस साल 31 मार्च तक प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। इससे पहले, केंद्र ने अक्टूबर 2023 में उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करने के लिए खुदरा बाजारों में 25 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर बफर प्याज स्टॉक की बिक्री को बढ़ाने का फैसला किया था।

इस वित्त वर्ष में 9.75 लाख टन प्याज का किया था निर्यात -कीमतों को काबू करने के लिए सरकार पहले भी कई कदम उठा चुकी है। इसने 28 अक्टूबर को 31 दिसंबर, 2023 तक प्याज निर्यात पर 800 अमेरिकी डॉलर प्रति टन का न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) लगाया था। पिछले साल अगस्त में, भारत ने 31 दिसंबर, 2023 तक प्याज पर 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाया था। इस वित्त वर्ष में 1 अप्रैल, 2023 से 4 अगस्त, 2023 के बीच देश से 9.75 लाख टन प्याज का निर्यात किया गया है। मूल्य के आधार पर शीर्ष तीन आयातक देश बांग्लादेश, मलेशिया और संयुक्त अरब अमीरात हैं। एनसीईएल एक बहु-राज्य सहकारी समिति है। इसे देश की कुछ प्रमुख सहकारी समितियों जैसे गुजरात सहकारी दूध विपणन संघ (जीसीएमएमएफ), जिसे अमूल के नाम से जाना जाता है; इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड (इफको); कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड (कृभको) और भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड की ओर से संयुक्त रूप से बढ़ावा दिया जाता है।

तंजानिया को 30 हजार टन गैर-बासमती सफेद चावल निर्यात करेगा भारत

घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिए पिछले साल 20 जुलाई से लगा दिया गया था प्रतिबंध

नई दिल्ली। सरकार ने तंजानिया को 30,000 टन गैर-बासमती सफेद चावल और जिबूती व गिनी बिसाऊ को 80,000 टन टूटे चावल के निर्यात की अनुमति दी है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा कि नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट्स लिमिटेड (एनसीईएल) के माध्यम से निर्यात की अनुमति है। घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिए 20 जुलाई, 2023 से गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। विशेष अनुरोध पर खाद्य सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कुछ देशों को सरकार की ओर से चावल निर्यात की छूट दी जाती है। तंजानिया एक पूर्वी अफ्रीकी राष्ट्र है, जबकि जिबूती अफ्रीकी महाद्वीप के पूर्वोत्तर तट पर है। गिनी-बिसाऊ पश्चिम अफ्रीका में एक उष्णकटिबंधीय देश है। अधिसूचना के अनुसार, जिबूती को 30,000 टन और गिनी बिसाऊ को 50,000 टन टूटे चावल के निर्यात की अनुमति दी गई है। भारत ने इससे पहले नेपाल, कैमरून, कोटे डी आइवर, गिनी, मलेशिया, फिलीपींस और सेशेल्स जैसे देशों को भी इन नियार्तों की अनुमति दी है। एनसीईएल एक बहु-राज्य सहकारी समिति है। इसे देश की कुछ प्रमुख सहकारी समितियों, जैसे गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (जीसीएमएमएफ), जिसे अमूल के नाम से जाना जाता है, इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड (इफको), कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड (कृभको) और नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (नेफेड) द्वारा संयुक्त रूप से बढ़ावा दिया जाता है।

खेल

पहली बार रैंकिंग के आधार पर किया क्वालिफाई

भारतीय पुरुष-महिला टेबल टेनिस टीम को मिला ओलंपिक टिकट

पेरिस। भारतीय पुरुष और महिला टेबल टेनिस टीम ने इतिहास रचते हुए पेरिस ओलंपिक का टिकट हासिल कर लिया। अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) की ओर से जारी रैंकिंग के आधार पर पुरुष और महिला टीम को पेरिस का टिकट मिला है। यह पहली बार है जब रैंकिंग के आधार पर पुरुष और महिला टेबल टेनिस टीम ने ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया है।

बीते माह बुसान में हुई विश्व टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप के फाइनल्स के बाद ओलंपिक के लिए टीम इवेंट के सात स्थान बचे थे, जिन्हें उनकी विश्व रैंकिंग के आधार पर दिया जाना था। आईटीटीएफ की ओर से कहा गया कि नवीनतम विश्व टीम रैंकिंग में अभी तक ओलंपिक के लिए क्वालिफाई नहीं करने वाली शीर्ष रैंकिंग की टीमों ने पेरिस का टिकट हासिल कर लिया है। महिला वर्ग में भारत ने विश्व रैंकिंग में 13वें और पुरुष वर्ग में 15वें स्थान पर रहते हुए ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया है। महिला वर्ग में भारत के अलावा पोलैंड, स्वीडन और थाईलैंड को और पुरुष वर्ग में क्रोएशिया और स्लोवानिया को पेरिस का टिकट मिला है। वरिष्ठ टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल ने कहा कि आखिरकार, भारत ने ओलंपिक की टीम इवेंट के लिए क्वालिफाई कर लिया, जिसका मुझे बहुत लंबे समय से इंतजार था। मेरा पांचवां ओलंपिक होने के बावजूद यह मेरे लिए विशेष क्षण है। खासतौर पर हमारी महिला टीम ऐतिहासिक ओलंपिक कोटा हासिल करने के लिए बधाई।

विश्व टीम चैंपियनशिप के अंतिम-16 में बनाई थी जगह- भारतीय टेबल टेनिस के इतिहास में यह महत्वपूर्ण सफलता है। 2008 के बीजिंग ओलंपिक में पहली बार टीम स्पर्धा को शामिल किया गया था, उसके बाद से यह पहली बार है जब भारत टेबल टेनिस की टीम इवेंट में खेलेगा। भारतीय पुरुष और महिला टीम ओलंपिक क्वालिफाइंग विश्व टीम चैंपियनशिप के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंची थी। जहां पुरुष टीम को कोरिया के हाथों 0-3 और महिला टीम को ताईवान के हाथों 1-3 से हार का सामना करना पड़ा था। इस चैंपियनशिप में अहिका मुखर्जी और श्रीजा अकुला ने चीन की विश्व नंबर एक और दो को पराजित किया था।

विदेशी प्रशिक्षक के बिना सफलता- भारतीय टीम की यह सफलता इस वजह से भी खास है कि उसके पास कोई भी विदेशी कोच नहीं है। भारतीय टीम ने देश के ही टेबल टेनिस प्रशिक्षकों के दम पर विश्व टीम चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया। हालांकि भारतीय टेबल टेनिस महासंघ विदेशी प्रशिक्षक को अनुबंधित करने के लिए जोर लगा रहा है, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली है। खासतौर पर अहिका, श्रीजा, दिया चिताले, सुतीर्था मुखर्जी, हरमीत देसाई, मानव ठक्कर का प्रदर्शन शानदार रहा है।

इंग्लैंड के बल्लेबाज जॉनी बेयरेस्टो के लिए भी रहेगा ऐतिहासिक दिन

अश्विन समेत चार खिलाड़ी खेलेंगे अपना 100वां टेस्ट

नई दिल्ली। 7 मार्च को जब इंडिया और इंग्लैंड के बीच धर्मशाला के एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियम में पांचवां और सीरीज का आखिरी टेस्ट मैच शुरू होगा तो यह भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन और इंग्लैंड के बल्लेबाज जॉनी बेयरेस्टो के लिए ऐतिहासिक दिन होगा। धर्मशाला के इस खूबसूरत स्टेडियम अश्विन और बेयरेस्टो के 100वें टेस्ट मैच का गवाह बनने जा रहा है। दोनों ही खिलाड़ी अपने-अपने देश के लिए 99-99 टेस्ट मैच खेल चुके हैं। इतना ही नहीं, इसके अगले दिन दो और खिलाड़ी टेस्ट करियर में अपने-अपने 100वें टेस्ट मैच में उतरने वाले हैं, जो एक ही देश के हैं।

दरअसल, 7 मार्च को आर अश्विन और जॉनी बेयरेस्टो उन दिग्गजों में शामिल हो जाएंगे, जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 100 या इससे ज्यादा मुकाबले खेले हैं। वहीं, 8 मार्च को ये उपलब्धि न्यूजीलैंड के दिग्गज बल्लेबाज केन विलियमसन और तेज गेंदबाज टिम साउदी हासिल करने वाले हैं। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी मुकाबला क्राइस्टचर्च में खेला जाना है। वह मैच विलियमसन और साउदी के लिए करियर का 100वां-100वां टेस्ट मैच होगा। दोनों दिग्गज खिलाड़ी 99-99 टेस्ट मैच अब तक खेल चुके हैं। एक साथ ये दोनों खिलाड़ी खास शतक पूरा करेंगे।

भारत के 13 खिलाड़ी हासिल कर चुके यह उपलब्धि

अभी तक 75 खिलाड़ियों ने 100 या इससे ज्यादा टेस्ट खेले हैं। इसके बाद आर अश्विन, जॉनी बेयरेस्टो, टिम साउदी और केन विलियमसन का नाम लिया जाएगा। न्यूजीलैंड के 4 खिलाड़ी (डेनियल विटोरी, रॉस टेलर, स्टीफन फ्लेमिंग और ब्रैंडन मैकुलम) ही 100 या इससे ज्यादा टेस्ट मैच खेल सके हैं। भारत के 13 खिलाड़ी (सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, वीवीएस लक्ष्मण, अनिल कुंबले, कपिल देव, सुनील गावस्कर, सौरव गांगुली, विराट कोहली, ईशांत शर्मा, वीरेंद्र सहवाग, हरभजन सिंह और चेतेश्वर पुजारा) इस उपलब्धि तक पहुंचे हैं। इंग्लैंड के 16 खिलाड़ी 100 या इससे ज्यादा टेस्ट मैच खेले हैं। हालांकि, बेयरेस्टो का पत्ता भी आखिरी टेस्ट मैच से कट सकता है।

जायजा लेने पहुंचे पन्ना विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह

पन्ना अजयगढ़ क्षेत्र के कई ग्राम पंचायत में बेमौसम बरसात और ओला की वजह से हुआ था फसलों को भारी नुकसान

रामनरेश विश्वकर्मा। सिटी चीफ पन्ना । अजयगढ़, पन्ना विधानसभा के लोकप्रिय विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री बृजेंद्र प्रताप सिंह ने पन्ना जिले के तहसील अजयगढ़ अंतर्गत असमय बारिश और ओला प्रभावित ग्रामों का सघन दौरा किया जिसमे मझगाय , बालुपुर, बिलाही , गुमानगंज, मोहाना, निम्हा, बरकोला, सिमरदा, उदयपुर आदि अन्य गाँव में हुए अत्यधिक ओला वृष्टि से हुए फसलों के नुक्सान का प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मौके पे जाकर मुआयना किया तथा किसानो को उचित मुआवजा दिलाने का भरोसा दिलाया और जो भी ओला प्रभावित ग्राम बचे है उनका भी सर्वे करवाकर सभी के नुकसान की भरपाई की जायेगी। विधायक श्री सिंह ने कहा की हम और हमारी सरकार इस आपदा की घड़ी में आप सभी के साथ है। और हर संभव मदद की जायेगी आप चिंता न करे। हमने सभी अधिकारियों से बात की है। जल्द से जल्द सर्वे करवाकर मुआवजा वितरण करवाया जायेगा जिससे पीड़ित किसानों को राहत मिले उनके साथ हनुमंत प्रताप सिंह रजऊ राजा, विधानसभा संयोजक उमेश निगम, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि मोहन यादव, संतोष यादव जिला पंचायत सदस्य, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि वृंदावन पटेल, जिला पंचायत सदस्य दिनेश भुर्जी,सरपंच सुरेश यादव,के पी राजा, भूपेंद्र सिंह परमार, वीरेन्द्र जैन, रवी रावत, संदीप विश्वकर्मा, सीलू श्रीवास्तव, जयराम पाठक, रामनरेश पटेल, बाबू सिंह चौहान, पुष्पेंद्र यादव, संतु मिश्रा, रामराज यादव, सरपंच अवध किशोर यादव, पड़रहा सरपंच प्रतिनिधि रामप्रताप यादव और सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे.

कटनी में हनुमान मंदिर हटाने पर विश्व हिंदू परिषद ने किया सड़क पर चक्काजाम

सुनील यादव। सिटी चीफ कटनी, कटनी में मुख्य रेलवे स्टेशन के पास स्थित पार्सल आफिस के सामने हनुमान जी की पुरानी मढ़िया जो विगत 70 वर्षों से अधिक समय से यहा स्थापित था। रेलवे कार्य के चलते इस मढ़िया को हटा दिया गया। इस बात की जानकारी विश्व हिंदू परिषद जिला मंत्री राहुल दुबे को लगी वे अपने संगठन के पदाधिकारियों के साथ पहुँचे और प्रदर्शन शुरु कर दिया जो दोपहर 3 बजे तक चला रेलवे प्रशासन के अधिकारियों के पहुँचने के बाद प्रदर्शन कारियो को समझाइश दी गई। और निर्माण कार्य के दौरान ही मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा विधिवत कराने आश्वासन दिया गया। जिसके बाद प्रदर्शन समाप्त किया गया।

दमोह के ग्राम पंचायत इमलाई को कैसे मिलेगा को पीने के लिए पानी

संचालित हो रही दो बड़ी सिंचाई परियोजनाओं में नहीं किया गया शामिल

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ दमोह, दमोह अभी गर्मी ने दस्तक नहीं दी है और पानी की समस्या आने लगी है । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि सभी ग्रामों में पीने का पानी उपलब्ध हो लेकिन उनकी यह मंशा शायद दमोह के अधिकारी पूरी नहीं कर सकते। दमोह नगर पालिका से सटे ग्राम पंचायत इमलाई में पानी की समस्या अपना विकराल रूप धारण करने वाली है यहां के लोग रात-रात भर पीने के पानी के लिए भटकते रहते हैं उन्होंने कई बार जनप्रतिनिधियों से इस समस्या को हल करने के लिए गुहार लगाई है लेकिन उनकी गुहार कोई सुनने वाला नहीं है। दमोह जिले में दो बडी सिंचाई परियोजनाएं चल रही हैं (सतधरू और सीता नगर परियोजना) लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि इन दोनों ही परियोजनाओं में ग्राम पंचायत इमलाई को शामिल नहीं किया गया है। इन परियोजनाओं में ग्राम इमलाई को शामिल न करना सौतेले व्यवहार की तरह साबित हो रहा है। अगर इन परियोजनाओं में ग्राम पंचायत को शामिल किया जाता तो यहां की पानी की समस्या हल हो जाती लेकिन ऐसा संभव नहीं है पानी की समस्या को लेकर आज ग्राम पंचायत इमलाई के लोग जनसुनवाई में शामिल हुए और ग्राम की जल समस्या को लेकर दमोह कलेक्टर को आवेदन दिया ग्राम वासियों का कहना है कि हम लोग आए दिन अधिकारी कर्मचारी मंत्री विधायकों के चक्कर लगा रहे हैं लेकिन हमारी समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा वही ग्राम पंचायत के उपसरपंच रमेश श्रीवास्तव का कहना है कि हम ने ग्राम की जल समस्या को लेकर आज आवेदन दिया है यदि हमारी पानी की समस्या का समाधान नहीं किया जाता है तो आने वाले समय में हम ग्राम वासियों के साथ अनशन पर बैठेंगे और लोकसभा चुनाव में इसका विरोध करेंगे यदि हमें पानी नहीं दिया जाता है तो हम मतदान नहीं करेंगे। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि मागंज वार्ड नंबर 4 में पानी की टंकी बनी हुई है जिससे हजारों गैलन पानी ओवरफ्लो के माध्यम से बह जाता है यदि नगर पालिका चाहे तो ग्राम पंचायत इमलाई को पानी दे सकती है लेकिन नगरपालिका यह करने को तैयार नहीं है. अब देखना यह होगा कि शासन इस दिशा में क्या कदम उठाती है।

नेशनल लोक अदालत में विधिक सेवा शिविर का आयोजन कर प्रचार प्रसार रथ को हरी झंडी दिखाकर नगर में किया रवाना...

पियूष अग्रवाल। सिटी चीफ खरगोन, भीकनगांव– नगर में आज जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मण्डलेश्वर के मार्गदर्शन में सिविल न्यायालय भीकनगांव में 09 मार्च 2024 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत जिसमें न्यायाधीशगण न्यायालय भीकनगांव एवं अभिभाषकगण, न्यायालय भीकनगांव द्वारा उपस्थित जनमानस को संबोधित करते हुए न्यायालयीन समझौता योग्य लंबित प्रकरणों के साथ-साथ बैंक, नगर पालिका, टेलीफोन, विद्युत आदि के प्रीलीटिगेशन प्रकरणों का भी निराकरण होना बताया। विद्युत, नगर पालिका जल कर एवं संपत्ति कर पर विशेष छूट दी जाने की बात कही तथा समझाईश दी जाकर प्रचार-प्रसार किया गया। तत्पश्चात् अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति भीकनगांव द्वारा दिनांक 09 मार्च को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के प्रचार-प्रसार हेतु नगर पालिका के प्रचार रथ (वाहन) को हरि झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश के.के. निनामा भीकनगांव साक्षी शुक्ला व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड ट्रेनी जज भीकनगांव एवं मोहम्मद शैफी व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड ट्रेनी जज भीकनगांव, इस दौरान अक्षय अग्रवाल, अध्यक्ष अभिभाषक संघ भीकनगांव, रमेश साबले,हेमराज यादव, दिलीप दागोड़े, पवन लववंशी,रवि जायसवाल,मोनिका दीक्षित,एवं समस्त अभिभाषकगण भीकनगांव तथा पैरालीगल वालेन्टियर्स कु अंकिता भालसे कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता अंकित, बसंत गुप्ता ने माना न्यायालयीन कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

शाजापुर आए कर्नाटक के महामहिम राज्यपाल श्री गेहलोत का स्वागत किया

महामहिम राज्यपाल श्री गेहलोत ने नव दंपत्ति को दिया आशीर्वाद

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ शाजापुर, शाजापुर नगर में विधायक अरूण भीमावद की पुत्री के विवाह समारोह में शामिल होने आए कर्नाटक के महामहिम राज्यपाल थावरचंद गेहलोत का शाजापुर पहुंचने पर क्षेत्रीय सांसद महेन्द्रसिंह सोलंकी, विधायक अरूण भीमावद एवं कलेक्टर ऋजु बाफना ने पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। इसके उपरांत महामहिम राज्यपाल श्री गेहलोत ने नव दंपत्ति को आशीर्वाद प्रदान कर सुखद वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं भी दी। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी नरेन्द्रनाथ पाण्डेय, तहसीलदार मधु नायक सहित जनप्रतिनिधिगण भी मौजूद थे।

6 मार्च से शुरू होंगी 9वी 11वी की परीक्षाएं

जिला मुख्यालय से किया 116 संस्थाओं को प्रश्न-पत्रों का वितरण

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ शाजापुर, बोर्ड परीक्षाओं की तरह ही कक्षा 9वी और 11वी की परीक्षाओ के प्रश्न-पत्रों का वितरण किया गया। इस दौरान 116 संस्थाओं के प्रधानों/प्रतिनिधियों को प्रश्न-पत्र वितरित किए गए, जो परीक्षा होने तक संबंधित थानां में जमा होंगे जहां से निर्धारित दिनांक को संबंधित स्कूलों को यह प्रश्न-पत्र वितरित किए जाएंगे। इस बार मई माह में लोकसभा चुनाव होना है जिसके चलते 5 फरवरी से बोर्ड की परीक्षाएं आयोजित की गई तो 9वी और 11वी की परीक्षाएं भी लोकसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए मार्च के पहले सप्ताह में आयोजित की जा रही हैं। इसके लिए सोमवार को शासकीय उत्कृष्ट उमावि से प्रश्न-पत्रों का वितरण किया गया। परीक्षा प्रभारी प्रवीण मंडलोई ने बताया कि 6 मार्च से परीक्षाएं प्रारंभ होगी जिसके प्रश्न-पत्रों का वितरण बोर्ड की तर्ज पर ही किया गया है। इसके लिए 116 संस्थाओं के प्रधानों को प्रश्न-पत्र वितरित कर दिए गए हैं जो संबंधित थानों में या लॉकर में जमा किए जाएंगे।

परीक्षार्थी जुटे तैयारी में इस वर्ष लोकसभा चुनाव भी हैं जिसके चलते विद्यार्थियों को भी यह पहले से ज्ञात था कि इस बार परीक्षाएं जल्दी होना है जिसकी तैयारियां उन्होंने कई दिनो पहले से शुरू कर दी थी। वहीं अब अब उनके पास एक सप्ताह भी शेष नही है ऐसे में विद्यार्थी परीक्षा की तैयारियां पूरी करने में जुटे हुए हैं।

बोर्ड परीक्षाओं का आज अंतिम पेपर- 5 फरवरी से शुरू हुई बोर्ड की परीक्षाएं मंगलवार को समाप्त हो जाएंगी। मंगलवार को भी एक या दो केंद्रों पर ही उर्दू के पेपर होंगे। इसके बाद परीक्षाएं समाप्त हो जाएंगी। परीक्षा प्रभारी प्रवीण मंडलोई ने बताया कि इसके बाद कक्षा 9वी-11वी की परीक्षाएं चलेंगी जिसकी भी सारी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

अभी भी खुले में और धार्मिक स्थलों के पास लग रही मांस-मटन की दुकाने

हिन्दू जागरण मंच ने ज्ञापन सौंपकर की दुकाने हटाने की मांग, दी आंदोलन की चेतावनी

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ शाजापुर, हिन्दू जागरण मंच द्वारा मंगलवार को जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें खुले में व धार्मिक स्थलों के आसपास लग रही मांस-मटन की दुकानों को हटाने की मांग की गई। साथ ही जल्द कार्रवाई न होने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी गई। ज्ञापन में बताया गया कि प्रदेश सरकार द्वारा बीते दिनों स्पष्ट रूप से शासकीय आदेश पारित किया गया था कि धर्मस्थल एवं मुख्य मार्ग में खुले रूप में अवैध मांस मटन की दुकान को बंद करते हुए नगरीय सीमा अलावा अन्य स्थान पर स्थानांतरित किया जाए। इसे लेकर पहले भी हिंदू जागरण मंच द्वारा कई बार शांति समिति बैठक में जिला प्रशासन व नगर पालिका को अवगत कराया गया था। इसके बाद जिसके परिणाम स्वरूप नगर पालिका द्वारा स्थान चिन्हित कर वहां मांस मटन की दुकानों को स्थानांतरित करने हेतु स्थान आवंटित किया गया है। फिर भी शासन के आदेश का पालन करवाने में नगर पालिका परिषद के अधिकारी नहीं करवा पा रहे हैं और आज भी नगर में व्यस्ततम मार्ग एवं धर्मस्थलों के आसपास मांस मटन की अवैध दुकान संचालित हो रही है। मंच के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने मांग की है कि मुख्यमंत्री के आदेश का पालन करते हुए मांस मटन की दुकानों को तत्काल प्रभाव से हटाकर चिन्हित स्थान ट्रेचिंग ग्राउंड पर पहुंचाया जाए। साथ ही चेतावनी दी गई कि जल्द से जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो हिन्दू जागरण मंच द्वारा आंदोलन किया जाएगा। इस अवसर पर मंच के अनूप किरकिरे, सुभाष चौरसिया सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित थे।

शाजापुर में मुख्यमंत्री जनसुनवाई कार्यक्रम में 49 आवेदन हुए प्राप्त

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ *शाजापुर, मुख्यमंत्री जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत मंगलवार को संपन्न हुई जनसुनवाई में 49 आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई अपर कलेक्टर बीएस सोलंकी ने की। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर मनीषा वास्कले एवं नेहा गंगारे, वरिष्ठ जिला कोषालय अधिकारी जीएल गुवाटिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे। जनसुनवाई में आवेदकों द्वारा विभिन्न समस्याओं एवं शिकायतों के आवेदन दिये गये।*

7 मार्च को चित्रकूट आयेंगे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव

विवेक कुमार मिश्रा। सिटी चीफ सतना, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव सतना जिले के एक दिवसीय प्रवास पर 7 मार्च को चित्रकूट आएंगे। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्धारित कार्यक्रमानुसार मुख्यमंत्री खजुराहो से हेलीकॉप्टर द्वारा प्रातः 10.30 बजे चित्रकूट पहुंचेंगे और यहां स्थानीय कार्यक्रम रामवन पथ गमन (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वीडियो कान्फ्रेसिंग कार्यक्रम) में शामिल होंगे मुख्यमंत्री डॉ यादव दोपहर 12:30 बजे हेलीकाप्टर से सिंगरौली के लिए प्रस्थान करेंगे।

जातिगत जनगणना करवाओ और पता लगाओ किसके पास कितना धन

शाजापुर पहुंची राहुल गांधी की न्याय यात्रा, कांग्रेसियों ने लगाए राहुल गांधी जिंदाबाद के नारे, भाजपाईयों ने भेंट किए आलू

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ शाजापुर, मोदी जी की सरकार में पब्लिक सेक्टर बंद हो चुका है। केवल ऊपर बैठे 50 लोग ही सारा तंत्र चला रहे हैं। एससी, एसटी, दलित और ओबीसी वर्ग को केवल बुलाया जाता है उन्हें कोई लाभ या नियुक्ति नहीं दी जाती। भाजपा की केंद्र सरकार में गरीब और गरीब व अमीर और अमीर होता जा रहा है। जातिगत जनगणना करवाओ और पता लगाओ किसके पास कितना धन है। यदि कांग्रेस की सरकार आती है तो यह कांग्रेस का पहला काम रहेगा।

यह बात कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने न्याय यात्रा के दौरान नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए कही। वे सुबह करीब 10.30 बजे धोबी चौराहा से रोड शो करते हुए टंकी चौराहा पहुंचे। जहां राहुल गांधी ने कहा कि अंबानी और अडाणी यदि लोन लेते हैं और कहते हैं कि वे पेसा नहीं भरेंगे तो उनसे कहा जाता है कि आप एक और लोन ले लीजिए। जबकि यदि गरीब आदमी लोन की एक किश्त चुक जाए तो उसे अपराधी घोषित कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि गरीब का बच्चा पूरे साल मेहनत करता है और पूरा सिलेबस पढ़ता है। जबकि ऊपर बैठे कुछ बड़े लोगों के बच्चे सुबह उठते हैं और मोबाइल निकालते हैं जिनके मोबाइल पर पेपर आ जाता है और वे उसे पढ़कर परीक्षा में टॉप कर जाते हैं और आपके बच्चे मेहनत करने के बाद भी खाली हाथ रह जाते हैं। राहुल ने कहा कि चायना का युवा मोबाइल बना रहा है और यहां का युवा 6-7 घंटे मोबाइल पर रील्स देख रहा है। जबकि मैं चाहता हूं कि चायना का युवा मोबाइल देखे और उस मोबाइल पर लिखा हो मेड इन मध्यप्रदेश।

मोदी जी चाहते हैं युवा मोबाइल देखे, जय श्री राम बोले और भूखा मर जाए- राहुल गांधी ने मोदी जी को लेकर कहा कि मोदी जी चाहते हैं कि देश का युवा दिनभर मोबाइल देखे, जय श्री राम बोले और भूखा मर जाए। उन्होंने कहा कि भाजपा नफरत की राजनीति कर रही हैं और लोगों को आपस में लड़वा रहे हैं। मैं मोहब्बत का संदेश लेकर यहां आया हूं। राहुल गांधी ने कहा कि आज देश का युवा बेरोजगार है, महंगाई चरम पर है, लेकिन भाजपा के लोग नफरत की राजनीति में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा कि यदि हमारी सरकार आई तो हर वर्ग को लाभ पहुंचाया जाएगा। किसानों को उनकी उपज के दाम दिए जाएंगे। कांग्रेस ने हमेशा लोगों को जोड़ने का काम किया है, लेकिन भाजपा नफरत फैला रही है।

राहुल को दिए आलू कहा सोना दीजिए, मोदी-मोदी और जय श्री राम का उद्घोष भी किया- नुक्कड़ सभा के बाद जब राहुल गांधी रोड शो करते हुए जब मक्सी की ओर रवाना हो रहे थे उसी समय वहां मौजूद भाजपाईयों ने राहुल गांधी की न्याय यात्रा में मोदी-मोदी और जय श्री राम का उद्घोष किया। इस पर राहुल गांधी व कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी उनसे मिले और उनका अभिवादन किया और अपने वाहन से उतरकर भाजपाईयों से मिले। इस दौरान भाजपाईयों ने उन्हें आलू भी भेंट किए और कहा कि सोना दीजिए। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि अगली बार वे सोना लेकर भी आएंगे। इसके बाद राहुल गांधी ने जाते-जाते भाजपाईयों को फ्लाईंग किस भी दिया और शहर से रवाना हो गए।

मॉरीशस में महाशिवरात्रि उत्सव दौरान लगी आग, जिंदा जल मरे 6 हिंदू श्रद्धालू

इंटरनेशनल डेस्क : मॉरीशस में रविवार को महाशिवरात्रि उत्सव के दौरान लगी आग कारण भगदड़ मच गई और इस भीषण हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार शिवरात्रि की झांकी ले जा रही लकड़ी और बांस की गाड़ी अचानक बिजली के तारों के संपर्क में आ गई जिससे झांकी में आग लग गई और 6 हिंदू श्रद्धालु जिंदा जलकर मर गए । इस घटना ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ध्यान खींचा है। हादसे में 7 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। ये सभी महाशिवरात्रि विशेष तीर्थ यात्रा पर निकले थे। इन्हें द्वीप के हिंदू समुदाय द्वारा पवित्र माने जानी वाली ग्रैंड बेसिन झील जाना था । यहां डुबकी लगाने के बाद 8 मार्च को महाशिवरात्रि की पूजा होना थी। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने भी घटना पर शोक व्यक्त किया है। जयशंकर ने एक्स पर इस घटना को लेकर अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस दुखद घटना के बारे में सुनकर सकते में हूं और वह उन सभी लोगों के शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं जो इस दुर्भाग्यपूर्ण आग के कारण मारे गए या प्रभावित हुए। बता दें कि मॉरीशस में हिंदू समुदाय सबसे बड़ा है और वहां की 48.5 फीसदी से ज्यादा आबादी हिंदू है।

पीएम सुनक का ऐलान

ब्रिटेन में नहीं घुसने देंगे नफरत फैलाने वाले पाकिस्तानी इस्लामिक धर्मगुरु

लंदन: ब्रिटेन में बढ़ते कट्टरपंथ से परेशान प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने मुस्लिम धर्म गुरुओं पर नकेस कसने का ऐलान किया है। 'द डेली टेलिग्राफ' अखबारकी एक रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटिश सरकार ने ऐसा प्लान तैयार किया है जिसके तहत अफगानिस्तान, पाकिस्तान और इंडोनेशिया के कट्टरपंथी इस्लामिक धर्मगुरु ब्रिटेन नहीं आ सकेंगे। इसके लिए वीजा वॉर्निंग सूची बनाई जा रही है। प्लान के मुताबिक इस सूची में शामिल नामो को ब्रिटेन में एंट्री नहीं मिलेगी। रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटिश सरकार ने इंटेलिजेंस रिपोर्ट्स की स्टडी के बाद माना है कि देश में कट्टरपंथियों की हरकतें और तादाद हैरान करने वाली है। इसके बाद इस तरह के लोगों पर लगाम कसने का फैसला किया गया। इसके तहत दूसरे देशों से आने वाले कट्टरपंथियों की एंट्री रोकने के उपायों पर विचार किया

गया। इसके तहत पाकिस्तान, अफगानिस्तान और इंडोनेशिया जैसे देशों से आने वाले कट्टरपंथी धर्मगुरुओं की एंट्री पर रोक का फैसला किया गया, ताकि ब्रिटेन आकर ये लोग भड़काउ बयानबाजी न कर सकें। इसके लिए एक लिस्ट तैयार की गई है। इसमें इस तरह के कट्टरपंथियों के नाम होंगे। जैसे ही ये लोग ब्रिटिश वीजा के लिए आवेदन करेंगे उनका नाम कंप्यूटर प्रोग्राम क्रॉस चेक करेगा। अगर वो बैन लिस्ट में शामिल निकला तो उन्हें एंट्री नहीं मिलेगी। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने कहा कि अब वक्त आ चुका है जब हमें बांटने वाली ताकतों के खिलाफ एकजुट होना होगा। ये हमारे देश को तोड़ने की साजिश रच रहे हैं। हाल ही में ब्रिटिश सरकार के सलाहकार लॉर्ड वाल्ने ने एक रिपोर्ट में कहा था कि वामपंथी और कट्टरपंथी गुट इस्लामिक गुटों से हाथ मिला चुके हैं और ये ब्रिटेन के लिए खतरा पैदा करने की साजिश रच रहे हैं। टेलिग्राफ से बातचीत में वाल्ने ने यह बात मानी भी थी कि वामपंथी और इस्लामिक कट्टरपंथी अब साझा खतरा पैदा कर रहे हैं। उन्होंने फिलिस्तीन समर्थकों की रैलियों को भी जिक्र किया था।

फिर बदले राष्ट्रपति मुइज्जू के सुर, बोले-

मालदीव में नहीं रहेगा कोई भारतीय सैनिक, सादे कपड़ों में भी नहीं

मालेः मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के चीन के उकसाने कारण एक बार फिर भारत को लेकर सुर बदले नजर आ रहे है। मुइज्जू ने भारत विरोधी बयानबाजी तेज करते हुए कहा कि उनके देश में 10 मई के बाद एक भी भारतीय सैन्य कर्मी मौजूद नहीं रहेगा, यहां तक कि सादे कपड़ों में भी नहीं। मीडिया में आयी एक खबर में मंगलवार को यह जानकारी दी गयी। मुइज्जू का यह बयान तब आया है जब एक सप्ताह से भी कम समय पहले भारत की असैन्य टीम मालदीव में एक उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर का संचालन करने वाले सैन्यकर्मियों की जगह लेने वहां पहुंची थी। मुइज्जू ने अपने देश से भारतीय सैन्यकर्मियों के पहले समूह की वापसी के लिए 10 मार्च की समयसीमा तय की थी। एक समाचार पोर्टल 'एडीशन डॉट एमवी% ने बताया कि उन्होंने बाद द्वीप के इधाफुशी आवासीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय सैनिकों को देश से बाहर निकालने में उनकी सरकार की सफलता के कारण झूठी अफवाहें फैला रहे लोग स्थिति को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे हैं। पोर्टल ने चीन समर्थक माने जाने वाले मुइज्जू के हवाले से कहा, ''यह कहना कि ये लोग (भारतीय सेना) देश छोड़कर जा नहीं रहे हैं, वे सादे कपड़े पहनकर अपनी वर्दी बदलने के बाद वापस लौट रहे हैं। हमें ऐसे विचार नहीं लाने चाहिए जो हमारे दिलों में संदेह पैदा करें और झूठ

फैलाएं।%% उन्होंने कहा, ''10 मई के बाद देश में कोई भारतीय सैनिक मौजूद नहीं रहेगा। न ही वर्दी में और न ही सादे कपड़ों में। भारतीय सेना किसी भी तरह के कपड़ों में इस देश में नहीं रहेगी। मैं विश्वास के साथ यह कहता हूं।%% उन्होंने यह बयान ऐसे दिन दिया है जब उनके देश ने निशुल्क सैन्य सहायता हासिल करने के लिए चीन के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे पहले, पिछले महीने दो फरवरी को दोनों पक्षों के बीच दिल्ली में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में मालदीव के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि भारत इस द्वीपीय देश में तीन विमानन प्लेटफॉर्म में अपने सैन्यकर्मियों को बदलेगा और इस प्रक्रिया का पहला चरण 10 मार्च तक पूरा किया जाएगा। पांच फरवरी को संसद में दिए अपने पहले संबोधन में भी मुइज्जू ने ऐसी ही टिप्पणियां की थीं। अभी भारत के 88 सैन्यकर्मी मालदीव में हैं, जो मुख्य रूप से दो हेलीकाप्टर और एक विमान का संचालन करने के लिए हैं। इनके जरिए सैकड़ों मेडिकल बचाव एवं मानवीय सहायता मिशन को पूरा किया गया है। 'एडीशन डॉट एमवी% ने बताया कि देश छोड़कर जाने वाले पहले सैन्य कर्मी अद्दू सिटी में दो हेलीकॉप्टर का संचालन कर रहे भारतीय सैन्य कर्मी हैं। हा धालू द्वीप हनीमाधू और लामू द्वीप काहधू में मौजूद सैन्य कर्मियों के भी 10 मई से पहले मालदीव से जाने की संभावना है। इस बीच, स्थानीय मीडिया में आयी खबरों में यह भी कहा गया है कि मालदीव ने मेडिकल बचाव मिशन के लिए विमानों का संचालन करने के लिए पिछले सप्ताह श्रीलंका के साथ सफलतापूर्वक समझौता किया है। इससे यह संकेत मिलता है कि वह सभी भारतीय सैनिकों को हटाने पर तुला है।

पंजाब, हरियाणा से रूस घूमने गए 7 लड़के फंसे जबरन लड़वाया जा रहा यूक्रेन के खिलाफ युद्ध

नई दिल्ली: पंजाब और हरियाणा के युवाओं के एक समूह ने सरकार से मदद की अपील की है, उन्होंने दावा किया है कि उन्हें रूस में सैन्य सेवा में धोखा दिया गया था और यूक्रेन पर मास्को के युद्ध लड़ने के लिए उन्हें जबरन भेजा गया है। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर प्रसारित 105 सेकंड के वीडियो में 7 लोग हुड या स्कल कैप के साथ सैन्य शैली की विंटर जैकेट पहने हुए दिखाई दे रहे हैं। वे एक कमरे के अंदर खड़े दिखाई दे रहे हैं। उनमें से छह एक कोने में छिपे हुए हैं, जबकि सातवां - हरियाणा के करनाल का 19 वर्षीय हर्ष - एक वीडियो मैसेज रिकॉर्ड करता है जिसमें वह अपनी स्थिति समझाता है और मदद मांगता है। एक टीवी चैनल की रिपोर्ट के मुताबिक, ये लोग 27 दिसंबर को रूस के लिए रवाना हुए थे - वहां नया साल मनाने के लिए। उनके पास रूस यात्रा के लिए वीज़ा था जो 90 दिनों के लिए वैध था।

हर्ष ने वीडियो में दावा किया, एक एजेंट ने हमें बेलारूस ले जाने की पेशकश की... हमें नहीं पता था कि हमें वीज़ा की आवश्यकता है। जब हम (बिना वीज़ा के) बेलारूस गए तो एजेंट ने हमसे अधिक पैसे मांगे और फिर हमें छोड़ दिया। पुलिस ने हमें पकड़ लिया और हमें सौंप दिया रूसी अधिकारियों को सौंप दिया गया, जिन्होंने हमसे दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराए। अब वे (रूस) हमें यूक्रेन के खिलाफ युद्ध लड़ने के लिए मजबूर कर रहे हैं। हर्ष के परिवार ने बताया कि बेटा विदेश में रोजगार के लिए गया था। और कथित तौर पर उसे बताया गया था कि अगर वह रूस के रास्ते जाएगा तो अपनी पसंद के देश में प्रवास करना आसान होगा। उनकी मां ने दावा किया, मेरा बेटा 23 दिसंबर को विदेश गया था। वह काम की तलाश में गया था और रूस में पकड़ा गया, जहां उसका पासपोर्ट छीन लिया गया। उसने हमें बताया कि उन्हें रूसी सैनिकों ने पकड़ लिया था, जिन्होंने उसे 10 साल की जेल की धमकी दी और उसे भर्ती कर लिया। उन्होंने कहा कि उन्हें सैन्य प्रशिक्षण के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने अपील की, मैं चाहती हूं कि सरकार मेरे बेटे को सुरक्षित घर लाए हर्ष के भाई ने दावा किया कि उसे हथियारों की ट्रेनिंग दी गई और डोनेस्टस्क क्षेत्र में तैनात किया गया। उन्होंने कहा, यह कहना मुश्किल है कि वह अब जीवित होंगे या नहीं. और उन्होंने सरकार से भी ऐसी ही अपील की. माना जा रहा है कि वीडियो में एक और शख्स गुरप्रीत सिंह है, जिसके परिवार ने भी मदद की अपील की है। बेलारूस - राजनीतिक और आर्थिक सहायता के लिए रूस पर निर्भर - को मास्को के सबसे करीबी सहयोगियों में से एक के रूप में देखा जाता है; क्रेमलिन ने यूक्रेन पर आक्रमण के लिए अपने क्षेत्र को मंच के रूप में इस्तेमाल किया। तब से, नियमित संयुक्त सैन्य अभ्यास ने चिंता पैदा कर दी है कि मिन्स्क अधिक सक्रिय भूमिका के लिए तैयार हो सकता है। जम्मू-कश्मीर का 31 वर्षीय युवा भी फंसा, युद्ध में लगी पैर में गोली इस वीडियो में सात लोग लगभग दो दर्जन लोगों में से हैं जो कथित तौर पर रूस में फंसे हुए हैं, या युद्ध की अग्रिम पंक्ति में हैं। सभी का कहना है कि उन्हें सक्रिय सैन्य सेवा में धोखे से शामिल किया गया था। पिछले हफ्ते, विदेश मंत्रालय ने कहा था कि वह इसी तरह फंसे अन्य लोगों के संपर्क में है, जिनमें जम्मू-कश्मीर का 31 वर्षीय व्यक्ति आज़ाद यूसुफ कुमार भी शामिल है। उनकी भर्ती के कुछ दिनों बाद, कुमार को कथित तौर पर युद्ध की स्थिति में पैर में गोली मार दी गई थी।

अमेरिका ने लाल सागर में मार गिराई हूती विद्रोहियों की दागी मिसाइल और ड्रोन

दुबई: अमेरिकी विध्वंसक ने यमन के हूती विद्रोहियों की ओर से लाल सागर में दागी गई मिसाइलों और बम ले जानी वाली ड्रोन नौकाओं को मार गिराया। अधिकारियों ने बुधवार सुबह यह जानकारी दी। हूती विद्रोहियों ने मंगलवार को ये हमले विध्वंसक 'यूएसएस कार्ने% को निशाना बना कर किए थे। अमेरिकी सेना की मध्य कमान ने कहा कि हूती विद्रोहियों ने बम ले जाने वाले ड्रोन और एक पोत रोधी बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। मध्य कमान के मुताबिक, हमले के जवाब में अमेरिका ने भी हवाई हमला किया और जहाज-रोधी तीन मिसाइलों और बम ले जाने वाली तीन ड्रोन नौकाओं को नष्ट

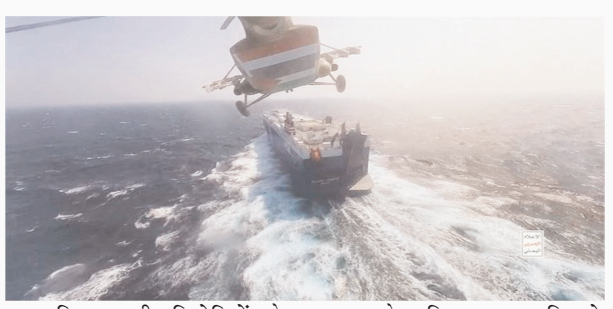

कर दिया। हूती विद्रोहियों के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सारी ने हमले की बात को स्वीकार किया और कहा कि दो अमेरिकी युद्ध पोतों को निशाना बनाया गया। सारी ने कहा, ''युद्ध और गाजा पट्टी पर फलस्तीनी लोगों की घेराबंदी जारी रहने तक हम रुकेंगे नहीं। हमास और इजराइल के बीच जारी युद्ध के दौरान हूती विद्रोही हमास के प्रति एकजुटता दिखाते हुए पिछले वर्ष नवंबर से लाल सागर से गुजरने वाले वाणिज्यिक पोतों को निशाना बना रहे हैं। उनका कहना है कि जब तक युद्ध बंद नहीं हो जाता वे इस प्रकार के हमले जारी रखेंगे। अमेरिका के नेतृत्व में डेढ़ महीने से अधिक वक्त तक हवाई हमलों के बावजूद हूती विद्रोहियों के हमले जारी हैं। इस बीच भारतीय नौसेना ने कुछ फुटेज जारी किए हैं, जिसमें आईएनएस कोलकाता के नौसैनिक एमएससी स्काई द्वितीय में आग पर काबू पाने के प्रयास करते दिखाई दे रहे हैं। हूती विद्राहियों ने सोमवार को अदन की खाड़ी में इस पोत को निशाना बनाया था। पोत के एक कंटेनर से धुआं निकलता हुआ दिखाई दे रहा है। स्विटजरलैंड की कंपनी 'मेडिटेरेनियन शिपिंग कंपनी% ने कहा कि यह पोत सिंगापुर से जिबूती जा रहा था कि तभी हूती विद्रोहियों ने उस पर हमला कर दिया। कंपनी ने कहा,'' मिसाइल हमले से आग लग गई थी, जिस पर काबू पा लिया गया। इसमें चालक दल का कोई सदस्य हताहत नहीं हुआ है।

फ्रांस सरकार का ऐलान-

पेरिस ओलंपिक उद्घाटन समारोह में पर्यटकों को नहीं मिलेगी फ्री एंट्री

पेरिस: *फ्रांस की सरकार ने मंगलवार को घोषणा की कि सुरक्षा कारणों से पर्यटकों को सीन नदी के किनारे 'पेरिस ओलंपिक% के उद्घाटन समारोह में निशुल्क शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। नदी के किनारे होने जा रहे पेरिस ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में सुरक्षा कारणों को लेकर पहले ही चिंताएं जताई जा रही हैं। आयोजकों ने पूर्व में 26 जुलाई को 6,00,000 से अधिक लोगों के लिए एक भव्य उद्घाटन समारोह की योजना बनाई थी, जिनमें से अधिकांश लोग नदी के किनारे से इसे निशुल्क देख सकते थे, लेकिन सुरक्षा कारणों और साजो-सामान संबंधी चिंताओं के कारण सरकार ने आयोजन की योजना में बदलाव किए हैं। इस वर्ष की शुरुआत में दर्शकों की संख्या आधी घटा कर 3,00,000 कर दी गई थी। गृह मंत्री गेराल्ड डर्मेनिन ने मंगलवार को कहा कि इनमें से 1,04,000 लोग टिकट लेकर नदी के निचले तटों से वहीं अन्य 2,22,000 लोग ऊपरी*

किनारों से आयोजन को निशुल्क देख सकेंगे। उन्होंने कहा कि जनता को निशुल्क टिकट पूर्व की भांति पंजीकरण व्यवस्था से नहीं दिए जाएंगे बल्कि जिन्हें यह आयोजन निशुल्क दिखाया जाना है, उन्हें आमंत्रण भेजा जाएगा। यह पहली बार है कि ओलंपिक का उद्घाटन समारोह स्टेडियम से बाहर आयोजित किया जा रहा है। इसमें कम से कम 160 राष्ट्राध्यक्षों के भाग लेने की उम्मीद है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569